अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 12 लखनऊ, बुधवार, 23 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

22 राज्यों को प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए जारी किए 9578.40 करोड़ रुपये : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 22 राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) के तहत 9578.40 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी। गृह राज्य मंत्री ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह वित्तीय सहायता प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर राहत के तौर पर दी जाती है, न कि पीड़ितों द्वारा दावे के आधार पर हुए नुकसान की भरपाई के रूप में। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की होती है, जबकि केंद्र सरकार की ओर से एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के माध्यम से वित्तीय सहायता दी जाती है।

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में कांग्रेस उतारेगी अपना उम्मीदवार : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से सोमवार देर रात जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद से इस पद के चुनाव को लेकर कयास शुरू हो गए हैं। चुनाव आयोग किसी भी समय उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। इस बीच कांग्रेस ने भी उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी है। मंगलवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफ़े पर कांग्रेस को न खुशी है और न ही गम है। जो होना था वो हो गया। अब इस पद के लिए चुनाव होने हैं।

उत्तर प्रदेश में नौ पीसीएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ। शासन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश में तैनात नौ पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। गरिमा स्वरूप को राज्य निर्वाचन आयोग का विशेष कार्याधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह, अरविंद कुमार मिश्रा को अपर सूचना निदेशक, विनोद कुमार गौड़ को फर्रुखाबाद के मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। अब तक प्रतीक्षारत रहीं डॉ. अलका वर्मा को निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के पद पर नियुक्त किया गया है। गौरव रंजन श्रीवास्तव को उप सचिव उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, अमित कुमार को अपर जिलाधिकारी बहराइच, महेंद्र पाल सिंह को अपर जिलाधिकारी (नगर पूर्वी) लखनऊ बनाया है। अविनाश चंद्र मौर्य को अपर जिलाधिकारी औरैया और नरेंद्र सिंह को उप निदेशक मंडी परिषद लखनऊ बनाया गया है। वह अब तक मुरादाबाद के उप-जिलाधिकारी के पद पर तैनात थे।

उप्र कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

● उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त से होगा शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में मंगलवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी है। कैबिनेट की बैठक के बाद योगी सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और अनिल राजभर ने पत्रकार वार्ता कर फैसलों के बारे जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्रस्ताव के हरी झण्डी मिली है। टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से प्रदेश के सभी 121 पॉलिटेक्निक में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।कैबिनेट बैठक में पराग डेयरी नोएडा के 4.62 हेक्टेयर भूखंड को आईएमएस राफ़े एंड फाइबर को विक्रय किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी।

औद्योगिक विकास विभाग से जुड़े चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे को विकसित किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। एक्सप्रेसवे की प्रस्तावित लंबाई 15.172 किमी. है। इसके निर्माण पर 939.67 करोड़ की लागत आएगी। यह फोर लेन का एक्सप्रेस वे 6 लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा।वाराणसी-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग 35/76 के 267 किमी. पर चित्रकूट जिले के भरतकूप से प्रारंभ होकर, एनएच 135 बीजी पर जिला चित्रकूट के ग्राम अहमदगंज में समाप्त होगा। इसी तरह स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना अंतर्गत निशुल्क स्मार्टफोन के स्थान पर टैबलेट वितरण किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित आई आर डिटेक्शन टेक्नोलॉजी सेंटर के पक्ष में 10 हेक्टेयर भूमि निशुल्क एक रुपये वार्षिक लीज रेंट पर दिए जाने के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

नेशनल पेंशन स्कीम से आच्छादित राज्य सरकार के ऐसे सरकारी कर्मी जिनका चयन ऐसे पद/रिक्तियों के सापेक्ष हुआ हो, जिसका विज्ञापन प्रदेश में नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू किये जाने सम्बन्धित राज्य सरकार के अधिसूचना तारीख 28/03/2005 के पूर्व हो चुका था, को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किये जाने के सम्बंध में निर्धारित कटऑफ तिथियों के विस्तारण के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। नई कटऑफ तारीख 30 नवंबर 2025 है।

कैबिनेट से महिलाओं के रजिस्ट्री में स्टाम्प शुल्क में छूट दिए जाने के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी है। एक करोड़ तक की प्रॉपर्टी पर यह सुविधा मिलेगी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त 2025 से प्रारंभ किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

बुंदेलखंड व पूर्वांचल के किसानों के लिए सरकार व विश्व बैंक के साथ 'यूपी एग्रीज' परियोजना अंतर्गत जेवर एयरपोर्ट के नजदीक प्रसंस्करण व्यवस्था, किसानों के उपज भंडारण व्यवस्था व निर्यात व्यवस्था की दृष्टि से एक 'हब स्थापित' किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी है। इसी तरह उन्नाव में हैचरी सीड उपलब्ध कराने के लिए हैचरी सेंटर स्थापित किये जाने के सम्बंध में आए प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी है।

तेल से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में पलटा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर जनपद हरदोई में कछौना थाना के अंतर्गत तेउरी गांव के सामने दोपहर करीब 3:00 बजे बरेली से लखनऊ ले जा रहा बैल कोल्हू तेल से भरा ट्रक UP25CT5201 अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया! घटना दोपहर करीब 3:00 की है चालक रमेश निवासी खुदागंज बरेली के अनुसार घटना अचानक स्टेरिंग फ़ेल हो जाने से घटित हुई है। ट्रक पलटने से लगभग ?200000 के तेल के नुकसान का अनुमान बताए जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल के अनुसार चालक व कंडक्टर को मामूली चोटे आई हैं, किसी भी प्रकार की कोई जनहानि की सूचना नहीं है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार

● प्रधानमंत्री मोदी ने की उत्तम स्वास्थ्य की कामना

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अपने पद से दिया गया इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वीकार कर लिया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी भूमिका को रेखांकित किया है। गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67ए के तहत अधिसूचना जारी कर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफ़े की सूचना दी है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स पोस्ट में कहा, ह्लजगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि संसद के मानसून सत्र की शुरुआत में ही उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सबके लिए आश्चर्य की तरह था। उनके इस्तीफ़े के बाद नए उपराष्ट्रपति को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं।

नहीं चली संसद, रिजिजू बोले- विपक्ष अपना रहा दोहरे मानदंड

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के चलते दो बार स्थगित होने के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्ष से सदन को चलने देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सरकार उनकी मांगों के अनुरुप चर्चा को तैयार है। फिर भी विपक्ष दोहरे मानदंड अपना रहा है।

संसदीय कार्यमंत्री रिजिजू ने लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद विपक्ष से अनुरोध किया कि वे सदन को चलने दें। उन्होंने बताया कि कार्य मंत्रणा समिति में चर्चा हुई थी जिसे अंतिम रुप नहीं दिया गया है। विपक्ष सरकार से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा चाहता है जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है लेकिन विपक्ष के सभी मुद्दों पर एक साथ चर्चा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति में ऑपरेशन सिंदूर पर किस नियम के तहत कितनी देर चर्चा होनी है तय किया गया है। एक साथ सभी मुद्दों पर चर्चा संभव नहीं है। विपक्ष चर्चा की मांग कर रहा है और सरकार इसे स्वीकार कर रही है ऐसे में विपक्ष का दोहरा मानदंड नहीं चलेगा। देश के करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। इसके बाद पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने विपक्ष से सरकार के अनुरोध पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सदन में प्लेकार्ड और पोस्टर लाना गणतंत्र के लिए ठीक नहीं है। शोर-शराबा रुकते न देख उन्होंने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। राज्यसभा में भी यही स्थिति रही और उपसभापति हरिवंश को कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित करना पड़ी। लोकसभा में सुबह कार्यवाही की शुरुआत में अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष को हंगामे के दौरान नारेबाजी नहीं करने और तख्तियां लेकर नहीं आने के लिए कहा। उनके बार-बार कहने पर भी हंगामा जारी रहा, जिसके चलते कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी गयी। दोपहर 12 बजे भी कार्यवाही नहीं चली और दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

कांवड़ रूट के ढाबा-होटल पर क्यूआर कोड जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार के आदेश को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कांवड़ यात्रा मार्ग के भोजनालयों पर 'क्यूआर कोड' प्रदर्शित करने संबंधी विवाद पर मंगलवार को राज्य सरकारों को कोई निर्देश नहीं दिया, लेकिन दुकानदारों से कहा कि वे लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करें।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने कहा कि ग्राहकों को यह जानने का अधिकार है कि क्या संबंधित भोजनालय में पहले मांसाहारी भोजन परोसा जाता था। अगर कोई केवल कांवड़ यात्रा के दौरान शाकाहारी भोजन परोसता है तो इसके बारे में ग्राहकों को जानकारी होनी चाहिए।पीठ ने कहा, ''हमें सूचित किया गया है कि आज यात्रा का अंतिम दिन है। इस समय हम सभी संबंधित होटल मालिकों से अनुरोध करते हैं कि वे वैधानिक रूप से आवश्यक लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के आदेश का पालन करें। हम अन्य विवादित मुद्दों पर चर्चा नहीं कर रहे हैं।''पीठ ने कांवड़ यात्रा मार्ग के भोजनालयों पर 'क्यूआर कोड' प्रदर्शित करने संबंधी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पर यह कहते हुए कोई भी आदेश जारी करने से इनकार कर दिया कि मंगलवार (22 जुलाई) यात्रा का आखिरी दिन है। प्रो. अपूर्वानंद झा की ओर से दायर इस याचिका में दलील दी गयी थी कि ये निर्देश शीर्ष अदालत के 2024 के एक आदेश के खिलाफ है। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर विक्रेताओं को अपनी पहचान उजागर करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। ऐसे निर्देश संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17, 19 और 21 का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों को सभी क्यूआर कोड-आधारित पहचान संबंधी अनिवार्यताओं या किसी भी अन्य ऐसी व्यवस्था को तुरंत वापस लेने का निर्देश देने की अपील की, जिससे विक्रेताओं के मालिक होने की पहचान या धार्मिक पहचान का खुलासा होता हो।

सेना को तीन अत्याधुनिक लड़ाकू अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के बाद अब सेना को भी अत्याधुनिक लड़ाकू अपाचे हेलिकॉप्टरों की ताकत मिल गयी है और सेना के लिए तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मंगलवार को वायु सेना के हिंडन एयर बेस पर उतरी। सेना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। सेना ने इन बहुउद्देशीय लड़ाकू हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि उसकी विमानन शाखा के लिए तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप हिंडन एयर बेस पहुंच गयी है। पोस्ट में कहा गया है कि इन अत्याधुनिक हेलिकॉप्टरों से सेना की मारक क्षमता बढेगी। दुनिया की बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों में शुमार अमेरिका की बोइंग कंपनी ने रक्षा मंत्रालय के साथ छह एएच-64ई अपाचे हेलिकॉप्टरों की खरीद के अनुबंध के तहत यह पहली खेप भेजी है। इन हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति पिछले वर्ष शुरू होनी थी लेकिन इसमें एक वर्ष की देरी हो गयी।

फुहार कवि सम्मेलन सम्मान समारोह में राज्यमंत्री ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हरदोई। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से उर्दू अकादमी प्रेक्षागृह गोमती नगर लखनऊ में तकी मीर फाउंडेशन द्वारा आयोजित फुहार कवि सम्मेलन.पुस्तक विमोचन व सम्मान समारोह कार्यकम में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दानिस आजाद अंसारी और क़ारी अबरार जमाल सदर जमीयत ए हिमायतुल इस्लाम सहारनपुर द्वारा हरदोई के अदनान अहमद को सम्मानित किया गया. उन्हें सम्मान उनके काव्य जगत के योगदान को देखते हुए दिया गया जिसमें वह हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं बताते चले कि हरदोई मुशायरा जो नुमाइस मैदान में हर साल आयोजक राम प्रकाश शुक्ला के साथ मिलकर अदनान अहमद सारे कवि और शायरो के प्रोग्राम आयोजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं आने वाले कवि और शायरों का सारा इंतजाम अदनान अहमद करते हैं और उन्हें हरदोई की गंगा जमुना तहजीब से रूबरू कराते हैं शाहबाज और संयोजक अभीश्रेष्ठ तिवारी ने भी इस शानदार आयोजन के लिए बहुत मेहमत की अदनान अहमद सभी यह प्यार और सम्मान पाकर सभी का दिल से शुकिया अदा कर रहे है सम्मान प्राप्त करने के बाद सोशल मीडिया पर और लोग उन्हें घर जाकर शुभकामनाएं दी रहे है कि उन्होंने हरदोई का नाम रोशन किया है।

14 अगस्त को दिल्ली से 'स्वर्णिम भारत यात्रा' के लिए पर्यटक ट्रेन होगी रवाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थानों को जोड़ने वाली अपनी तरह की अनूठी ट्रेन यात्रा, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या, यानी 14 अगस्त को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 9 रातों/10 दिनों के कार्यक्रम के साथ रवाना होने के लिए तैयार है। आईआरसीटीसी की विशेष यात्रा पेशकश में अहमदाबाद, मोढेरा, पाटन, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (केवड़िया), पुणे, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, औरंगाबाद, एलोरा, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, अजंता, ओरछा और झांसी शामिल होंगे। अत्याधुनिक डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन, जिसमें एसी I, एसी II और एसी III श्रेणी के कोच होंगे, कुल 150 पर्यटकों के लिए उपयुक्त होगी। पर्यटक इस पर्यटक ट्रेन से दिल्ली सफदरजंग, गुड़गांव, रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा, अजमेर रेलवे स्टेशन भी जा सकते हैं। आईआरसीटीसी की नवीनतम पेशकश ''स्वर्णिम भारत यात्रा'' भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों का प्रचार-प्रसार करेगी। यह यात्रा 14 अगस्त, 2025 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। प्रस्तावित ट्रेन यात्रा आधुनिक सुविधाओं से युक्त भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में संचालित की जाएगी। इस ट्रेन यात्रा का पहला गंतव्य अहमदाबाद है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ शहर है। यहाँ पर्यटक साबरमती आश्रम जाएँगे, जो राष्ट्रवादी गतिविधियों और दांडी मार्च का केंद्र रहा है। 15वीं शताब्दी की भारतीय बावड़ी वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण, अडालज और नव विकसित साबरमती रिवरफ्रंट पर शाम की सैर, कुछ ऐसी जगहें हैं जिन्हें यहाँ शामिल किया जाएगा।

इसके बाद मोढेरा और पाटन की एक दिवसीय यात्रा होगी। जहाँ पहला सूर्य मंदिर कोणार्क से भी पुराना है, वहीं दूसरे में पर्यटक रानी की वाव या रानी की बावड़ी का आनंद ले सकते हैं, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। इस यात्रा का अगला गंतव्य गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे स्थित केवड़िया है, जो सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी के स्थान के लिए जाना जाता है। प्रतिमा और हर शाम आयोजित होने वाले लाइट एंड साउंड शो के अलावा, पर्यटक सरदार सरोवर बांध भी देख सकते हैं। अगला गंतव्य पुणे भी भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक अभिन्न अंग रहा है। शहर में स्थित आगा खान पैलेस एक वास्तुशिल्प चमत्कार के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रमाण भी है, जहाँ महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी और सरोजिनी नायडू को 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बंदी बनाकर रखा गया था। यहाँ शामिल किए जाने वाले अन्य आकर्षण हैं कस्बा गणपति (पुणे में सबसे पूजनीय देवता), आकर्षक महल लाल महल (शिवाजी महाराज का बचपन का घर) और शनिवार वाड़ा, जो 18वीं शताब्दी का एक प्राचीन किला है। पुणे शहर से 124 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भीमाशंकर मंदिर (ज्योतिर्लिंग) भी इस यात्रा कार्यक्रम में शामिल है।

यात्रा पूरी होने पर यात्रियों को अगले गंतव्य, औरंगाबाद या छत्रपति संभाजीनगर ले जाया जाएगा, जहाँ वे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों, अजंता और एलोरा की गुफाओं और एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक बीबी का मकबरा देखने जाएँगे। भगवान शिव को समर्पित घृष्णेश्वर मंदिर, जो बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, भी यात्रा कार्यक्रम में शामिल है।

अधिक जानकारी के लिए, आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com/bharatgaurav <http://www.irctctourism.com/bharatgaurav> पर जा सकते हैं और वेब पोर्टल पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पैकेज ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, मोबाइल नंबर 8595931047 (मोनिका), 8287930484 (सुभाश्री), 8287930032 (अभिषेक), 8287930299 (प्रफुल्ल) और 8882826357 (प्रणीत) पर संपर्क कर सकते हैं।

आरओ-एआरओ भर्ती परीक्षा पर यूपी एसटीएफ भी रखेगी पैनी नजर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोपनीय सामग्री की सुरक्षा से लेकर अभ्यर्थियों की तलाशी तक हर कदम पर होगा कड़ा प्रबंध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई (रविवार) को प्रस्तावित आरओ और एआरओ परीक्षा को शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए आयोग और राज्य सरकार ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एसटीएफ, खुफिया एजेंसियों और पुलिस विभाग को विशेष जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि परीक्षा से पूर्व ही चिन्हित संवेदनशील केंद्रों की विशेष निगरानी के लिए एसटीएफ को निर्देशित किया गया है। राज्य सरकार ने परीक्षा की शुचिता भंग करने वाले पुराने आरोपितों और सक्रिय नकल गैंग की पहचान कर उनके खिलाफ सतत निगरानी और रोकथाम के आदेश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि पूर्व में परीक्षा अपराधों में लिप्त रहे गैंग और आरोपित यदि इस समय जमानत पर हैं तो उन पर विशेष नजर रखी जाएगी। एसटीएफ द्वारा सोशल मीडिया के खुले प्लेटफॉर्म की निगरानी के साथ-साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे अफवाह फैलाने वाले माध्यमों पर भी नजर रखी जाएगी। परीक्षा के दौरान कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों पर भी नजर रखने के लिए समर्पित टीमें तैनात रहेंगी, जो संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को तुरंत उपलब्ध कराएंगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पुलिस बल तैनात रहेगा जो परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अभ्यर्थियों की गहन तलाशी (फ्रिस्किंग) करेगा ताकि कोई भी निषिद्ध सामग्री लेकर अंदर न जा सके। गोपनीय बंडलों की ट्रेजरी से निकासी से लेकर उत्तर पुस्तिकाओं के डिस्पैच तक पूरी प्रक्रिया में सशस्त्र गार्ड और वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी अनिवार्य की गई है। यदि परीक्षा के दौरान कोई भी अभ्यर्थी या व्यक्ति अनुचित साधनों के प्रयोग में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं और उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा के दिन आयोग और एसटीएफ के बीच समन्वय बनाए रखने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाएगा। इसके अलावा हर जिले में पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक या पुलिस अधीक्षक स्तर के नोडल अधिकारी की प्रत्यक्ष निगरानी रहेगी। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई को सभी 75 जनपदों में यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक पाली में आयोजित होने जा रही इस परीक्षा में 10.76 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए समस्त जनपदों में 2,382 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हर जिले में जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है जो परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी करेंगे और आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय ले सकेंगे।

धर्मांतरण पीड़ितों ने लखनऊ में सुनाई आप बीती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। धर्म परिवर्तन के मामले में जेल में बंद बलरामपुर उतरौला के रहने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के खिलाफ रोज नये खुलासे हो रहे हैं। छांगुर पर सख्ती को देखते हुए अब पीड़ित परिवार भी एक एक कर सामने आ रहे हैं। मंगलवार को कुछ और पीड़ितों के सामने आने के बाद विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए विश्व हिन्दू परिषद हेल्पलाइन सेवा के जरिये पीड़ितों की मदद करेगा। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यालय में आयोजित हुई संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपनी बहन बेटियों के लापता होने के प्रमाण लेकर पहुंचे परिजनों में शामिल गाजियाबाद के रहने वाले आजाद सिंह ने बताया कि उनकी बेटी बीते दो अप्रैल से लापता है। वह बीए सेकंड ईयर की छात्रा थी। वह रोज अपने कॉलेज से दोपहर दो बजे तक लौट आती थी पर गायब होने वाले दिन जब वह कॉलेज से नहीं लौटी तो चिंता होने पर वह कॉलेज गए। कॉलेज में पूछताछ के दौरान उसकी साथी छात्रों ने बताया कि वह कई दिनों से कॉलेज नहीं आ रही थी। उसकी तलाश काफी जगह की पर उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। वह जब घर से निकली तो बैंक से 50000 हजार व घर में रखे डेढ़ लाख रुपए सहित जेवर साथ में ले गई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्सर किसी मजार पर जाकर प्रसाद चढ़ाने की बात करती थी। उन्होंने बताया कि उसके गायब होने के 8 दिन बाद उसने किराएदार को फोन कर अपना हाल-चाल बताया था। साथ ही कहा था कि वह अपने पति के फोन से फोन कर रही है। जब हमने उसे नंबर को चेक कराया तो वह नंबर किसी जाकिर खान का निकला। पीड़ित आजाद सिंह ने बताया कि जब छांगुर का धर्मांतरण का खेल सामने आया और समाचार चैनलों पर उसके बारे में देखा, तब मेरी बेटी द्वारा लगातार छांगुर के नाम लिए जाने की बात याद आई। वह अक्सर दादरी के किसी मजार पर प्रसाद चढ़ाने जाती थी और वहां से लौटकर आने पर वह छांगुर से मिलने की बात कहती थी। वहीं बलरामपुर महुयाढार बिलरिया से आए रघुनाथ निषाद ने बताया कि उनकी बेटी की शादी तय हो गई थी। वह अपनी बेटी के शादी की तैयारी में लगे हुए थे। उनके पड़ोस में रहने वाले मुबारक अली नाम के लड़के ने उनकी बेटी को अपने प्रेम जाल में फसाया और उसे अपने साथ लेकर भाग गया। पीड़ित का आरोप है की उनकी बेटी को बहला कर ले जाकर छांगुर के एजेंट नसीब अली के बेटे मुबारक अली से शादी कराकर उसके परिवार ने मिलकर बेटी का धर्म परिवर्तन कराया है।

यूपी में 2026 तक सभी स्कूलों में होगी बालवाटिका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्राथमिक स्कूलों से सम्बद्ध आंगनबाड़ियों में संचालित बाल बाटिका को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व-प्राथमिक शिक्षा अभियान की ऐतिहासिक शुरुआत करने की तैयारी कर ली है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 तक अपने सभी 1,11,621 प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में बालवाटिका-3 (यूकेजी) कक्षाएं संचालित करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए एज्युकेटर व शिक्षामित्रों की तैनाती की जाएगी। इस बाबत बेसिक शिक्षा विभाग ने सरकार को प्रस्ताव भेजा है। वर्तमान में छात्र संख्या के आधार पर सरकार की तरफ से 50 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों का नजदीक के स्कूल में मर्ज कर शिक्षकों की नए सिरे से तैनाती दी जा रही है। जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार होने के साथ ही शिक्षकों की तैनाती की जा सके। अभी हाल ही पूरे प्रदेश में 5000 स्कूल बंद हुए हैं। जबकि 2018-19 में 27 हजार स्कूलों का विलय किया गया है। इस क्रम में इन विद्यालयों में तैनात शिक्षामित्रों के भविष्य को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने इन्हें बाल वाटिका में तैनात करने का निर्णय लिया है। प्रदेश में कुल 1.35 लाख स्कूल हैं। हर स्कूल में दो दो शिक्षामित्र तैनात हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने ईसीसीई (अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन) एज्युकेटर की एक नई और समर्पित श्रेणी का गठन किया है। इन प्रशिक्षित एज्युकेटर की नियुक्ति चरणबद्ध तरीके से संविदा के माध्यम से की जा रही है। प्रारंभिक चरण में वे विद्यालय जिनमें आंगनबाड़ी केंद्र सह-स्थित हैं, वहां नियुक्त किए जा रहे हैं। जहाँ यह सुविधा नहीं है, वहाँ प्रशिक्षित नोडल शिक्षक अथवा शिक्षामित्र अस्थायी रूप से बालवाटिका-3/यूकेजी का संचालन करेंगे। इन सभी बालवाटिका 3/ यूकेजी में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा व्यापक सहयोग प्रदान किया जाएगा। सभी एज्युकेटर एवं नोडल शिक्षक का प्रशिक्षण, शैक्षिक सामग्री के अंतर्गत कार्यपुस्तिकाएँ एवं गतिविधि आधारित किट (वन्डरबॉक्स) के साथ-साथ लर्निंग कॉर्नर एवं स्टेशनरी मटेरियल हेतु सहयोग प्रदान जाएगा। इसके अतिरिक्त, अवस्थापना सुविधाओं हेतु बाल मैत्रिक फर्निचर, आउट्डोर प्ले मटेरियल, बाला फीचर्स एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रमों हेतु भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बताया कि इस बाबत शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।

आय बढ़ाने के लिए बसों में यात्री संख्या में इजाफा करें चालक परिचालक: सरवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने रोडवेज बसों में लोड फैक्टर और परिवहन निगम की आय को बढ़ाने के दृष्टिगत सभी क्षेत्रीय एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिये हैं कि चालकों/परिचालकों को उनकी बस में कम से कम पांच यात्रियों को अवश्य बढ़ाने के संबंध में काउंसलिंग की जाए। उन्होने कहा कि परिवहन निगम की बसों के संचालन में चालकों एवं परिचालकों की भूमिका सबसे अधिक है। रोडवेज बसों से लगभग प्रतिमाह पांच करोड़ लोग यात्रा करते हैं, जो चालकों/परिचालकों के कार्यप्रणाली एवं व्यवहार को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि ऐसे में परिवहन निगम के चालक, परिचालक अपने व्यवहार से परिवहन निगम की छवि को सुधारने के साथ-साथ लोड फैक्टर बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम के चालक परिचालक कोविड एवं महाकुम्भ जैसे आयोजनों में कार्यकशुलता एवं व्यवहार का परिचय दे चुके हैं।

इस बार पांच लाख करोड़ की होगी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी: नंदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि नवम्बर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी पांच लाख करोड़ रुपये की होगी, जिससे प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाया जा सके।

उन्होने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में निवेशक निवेश करने आ रहे हैं, वहीं प्रदेश के सर्वांगीण विकास सहित अथाह रोजगार का सृजन हो रहा है। 2017 के बाद से प्रदेश में जिस तरह से औद्योगिक विकास ने गति पकड़ी है, उसे लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए कार्मिकों की आवश्यकता है। इसके लिए अधिकारियों को कार्मिक कैडर रिव्यू करने, प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को तैनात करने, प्रतिष्ठित संस्थानों के युवाओं को कैम्पस इंटरव्यू व अन्य प्रक्रिया के तहत साथ लेकर औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीईओ इन्वेस्ट यूपी विजय किरण आनन्द ने बताया कि अभी हाल ही में दो लाख करोड़ रूपए का निवेश करने वाली 62 कम्पनियों को एलओसी दिया गया है। हर महीने 10 कम्पनियों को एलओसी जारी करने का लक्ष्य है। विजय किरण आनन्द ने बताया कि निवेश को धरातल पर उतारने के लिए लीड्स तैयार किए गए हैं। 371 कम्पनियां चाइना से आना चाहती हैं, जिनसे सम्पर्क करने के साथ ही मीटिंग का प्रयास किया जा रहा है। ताकि ऐसी कम्पनियों को उत्तर प्रदेश में लाया जा सके। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में 12 लाख 10 हजार 274 करोड़ रूपए की 16 हजार 478 परियोजनाएं शामिल हुई। जिनमें से चार लाख 33 हजार 528 करोड़ की 8 हजार 363 परियोजनाओं का वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया है। वहीं सात लाख 76 हजार 746 करोड़ रूपए की 8 हजार 115 परियोजनाएं क्रियान्वयनाधीन हैं।

आनन्द ने बताया कि इन्वेस्ट इंडिया द्वारा भी इनवेस्ट के लिए लीड्स दिए जा रहे हैं। प्रत्येक लीड के लिए समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर निर्धारित किए गए हैं। बताया गया कि जनपद स्तर पर 19 हजार 523 एमओयू उद्यमी मित्रों एवं जीएम डीआईसी के मध्य वितरित किए गए हैं। फॉर्च्यून 500 इंडिया एवं फॉर्च्यून नेक्स्ट 500 इंडिया की सूची में शामिल 814 कम्पनियां अकाउंट मैनेजरों को आवंटित की गई हैं। भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई 574 परियोजना-विशिष्ट पीएलआई अनुमतियों में से 70 परियोजनाएं वर्तमान में उत्तर प्रदेश में क्रियान्वयनाधीन हैं।

पत्नी की मौत से परेशान किसान ने की आत्महत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के अलिया मऊ गांव में 45 वर्षीय किसान प्रताप रावत ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 22 जुलाई की सुबह करीब 5.30 बजे की है। डायल 112 को सूचना मिलते ही गोसाईंगंज पुलिस मौके पर पहुंची।

परिवारजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में शव को पेड़ से नीचे उतारा गया। मृतक के दो बेटे गुड्डू (25 वर्ष) और सोनू (19 वर्ष) भी मौके पर मौजूद थे। मृतक के बड़े भाई पूर्णमासी रावत ने बताया कि प्रताप अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। परिवार ने आत्महत्या का कोई अन्य कारण नहीं बताया। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे नितिन गडकरी

लखनऊ। लोकनायक जयप्रकाश (जेपी) नारायण की जयंती हर साल 11 अक्टूबर को मनाई जाती है। इस साल भी उनकी जयंती मनाने को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और बलिया के पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को कार्यक्रम में आने का न्यौता दिया गया है और उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। श्री मस्त ने बताया कि सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट हुई। इस दौरान उनको आगामी 11 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के जन्म जयंती के अवसर पर सिताब दियारा में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। मस्त ने बताया कि उन्होंने इस आग्रह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उन्होंने अपनी सहमति जताई। इस अवसर पर हमारे साथ सुशील पांडेय भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि लोकनायक जयप्रकाश (जेपी) नारायण की जयंती हर साल 11 अक्टूबर को मनाई जाती है। उनका जन्म 1902 में बिहार के एक सुदूर गांव सिताब दियारा में हुआ था। जेपी को नौ साल की उम्र में पटना के एक स्कूल में सातवीं कक्षा में दाखिला मिला।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा ने किया संगठन का विस्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय संगठन अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा द्वारा सनातनी समाज को मजबूत कर सशक्त हिन्दू राष्ट्र निर्माण के अभियान में तेजी लाने के लिए कुर्सी रोड स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में संगठन विस्तार पर जोर देते हुए पंकज कुमार को राष्ट्रीय संयोजक, चंद्रमौली शुक्ला को प्रदेश अध्यक्ष एवं सुमन उपाध्याय को प्रदेश मंत्री मनोनीत किया गया। वहीं सनातन बोर्ड गठन को लेकर पुरजोर के साथ मांग उठाई गयी। आर्य महासभा त्रिदंडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत किये गये पदाधिकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी द्वारा मनोनयन सौंपा गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि अखण्ड आर्यावृत आर्य त्रिदंडी महासभा, ब्रहमलीन रामानुज जीयर स्वामी त्रिदंडी जी महाराज द्वारा दिये गये नारे जात पात की करो विदाई-हिन्दू हिन्दू भाई भाई के साथ कभी आर्यावृत कहे जाने वाले गौरवमयी भारतवर्ष को सशक्त हिन्दू राष्ट्र बनाने हेतु सनातनी समाज को जाग्रत करने के संकल्प को पूरा करने के लिये बनाया गया संगठन है। जो कि राजनैतिक ना होते हुये भी ऐसे सनातनी योद्धाओं को राजनीति के प्रति प्रेरित करेगा जो सत्य सनातन धर्म को मजूबत कर भारतवर्ष को हिन्दू राष्ट्र बनाने की विचारधारा में सहयोग रखेगा। बैठक में बाबा महादेव, सिद्धार्थ दुबे, श्रीराम तिवारी, विकास पांडेय, अनीता तिवारी, अंकेश चौहान, प्रकाश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव-एडवोकेट, अरविंद मिश्रा, श्रवण मिश्रा सहित राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी एवं मुख्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा वाले मार्गों पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को तैनात करेगी विहिप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सावन माह में चलने वाली पवित्र धार्मिक कांवड़ यात्रा की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपील के बाद इस धार्मिक यात्रा को असामाजिक तत्वों से बचाने के लिए अब विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने भी अपनी कवायद शुरू कर दी है। विहिप ने फैसला किया है कि कांवड़ यात्रा के दौरान वह मुख्य मार्गों पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को तैनात करेगा जो बाहरी तत्वों पर अपनी नजर रखेंगे। विहिप का दावा है कि इससे पुलिस को भी इस यात्रा को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलेगी। विहिप के मुताबिक बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को कांवड़ यात्रा वाले मार्गों पर भंडारा, स्वास्थ्य शिविर, सेवा केंद्र और शयन केंद्रों बनाने को कहा गया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को कांवड़ यात्रा पर नजर रखने और शामिल होने वाले बाहरी तत्वों की पहचान कर पुलिस को अवगत कराने की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह से संयमित रहने का कहा गया है। विहिप ने यह कदम सीएम योगी के उस बयान के बाद उठाया है जिसमें उन्होंने सामाजिक संगठनों से आग्रह किया था कि वह इस धार्मिक यात्रा के दौरान माहौल बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर नजर रखें और इसको लेकर यदि कोई सूचना मिलती है तो तत्काल प्रशासन को बताएं। योगी ने यह भी कहा था कि इस धार्मिक यात्रा को बदनाम करने साजिश की जा रही है इसलिए हमें इस बार ज्यादा अलर्ट रहना होगा और इसमें कांवड़ संघों और विभिन्न सामाजिक संगठनों को भी अपना दायित्व निभाना चाहिए।

होटल में आधी रात मर्डर,गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचे युवक ने गोली मारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार देर रात होटलकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी युवक विकल्प खंड के होटल ईशान इन में गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा था। तभी उसकी स्टाफ कर्मी से बहस हो गई। इसके बाद उसने गर्लफ्रेंड के सामने ही तीन फायर किए, जिसमें एक गोली दिवाकर के गले में जा लगी। पुलिस ने आरोपी युवक और युवती को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि युवती ने कॉल करके युवक को बुलाया था। दिवाकर की युवक से बहस हुई थी। उसके बाद दोनों वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोबारा आते ही दिवाकर को गोली मार दी। बाराबंकी निवासी देवेंद्र मिश्रा और उदयसेन यादव का पार्टनरशिप में विकल्प खंड में ईशान इन होटल है। जयसिंहपुर, सुल्तानपुर निवासी दिवाकर यादव (20) होटल में काम करता था। इसी होटल में गोरखपुर निवासी खुशी ठहरी थी।उदयसेन यादव ने बताया कि सोमवार रात 12.30 से 1 के बीच देवेंद्र मिश्र, शुभम शर्मा, होटलकर्मी राहुल, उदय प्रताप सिंह सब लोग खड़े थे। तभी होटल में रुकी युवती नशे की हालत में फोन पर बात करते हुए बाहर निकली। इस बीच उसको लेने आए बॉयफ्रेंड ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोली सीधे दिवाकर के गले में लगी। इसके बाद आरोपी बाइक छोड़कर फरार हो गया। दिवाकर को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक की पहचान गोसाईंगंज अयोध्या निवासी आकाश तिवारी पुत्र विनोद तिवारी के रूप में हुई। वह लखनऊ में कंतिपुरम कॉलोनी मटियारी पर किराए के मकान में रहता है। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। उदय सेन यादव ने बताया कि युवती 16 जुलाई से होटल में रुकी थी। वो दारू के नशे में थी। उसने ही आकाश को कॉल करके बुलाया था। घटना के समय आकाश भी काफी नशे में था। युवती इवेंट मैनेजमेंट का काम करती है। वह 5 दिन से होटल में रुकी थी। दिवाकर के परिजन लखनऊ आ गए हैं। छोटे भाई प्रभाकर ने बताया- उदय सेन यादव बुआ का बेटा है। दिवाकर 4 माह पहले उसी के साथ लखनऊ आए थे। मृतक के पिता सतीश कुमार यादव ने बताया कि बेटा घर से लखनऊ में नौकरी करने की बात कहकर निकला था। उसने यहां पर ड्राइवर की नौकरी करने की बात कही थी। हम लोगों को दिवाकर के होटल में काम करने की जानकारी नहीं थी। कल रात को भांजे का फोन आया। तब उसने बताया कि झगड़ा हो गया है। सब लोग थाने में बैठे हैं। हम लोग लखनऊ पहुंचे तो हत्या की जानकारी हुई। पता चला कि बेटा होटल में रूम सर्विस का काम करता था। दिवाकर पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि होटल मालिक ने रात में सवा एक बजे घटना की पुलिस को सूचना दी। बताया कि होटल में ठहरी युवती ने फोन करके एक युवक को बुलाया। युवकी की दिवाकर यादव से किसी बात को लेकर बहस हो गई। युवक ने दिवाकर को गोली मार देता है।

बिजली कर्मियों ने ऊर्ज़ा मंत्री का घर घेरा एके शर्मा ने मिलने से किया इनकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मियों का गुस्सा अब उबाल पर है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर आज कर्मचारियों ने ऊर्ज़ा मंत्री एके शर्मा के घर आवास का घेराव किया। ऊर्ज़ा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऊर्ज़ा मंत्री ने प्रदर्शनकारियों से मिलने से इनकार कर दिया। इससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिजली विभाग हमारा और आपका, नहीं किसी के बाप का। कर्मचारियों ने ऊर्ज़ा मंत्री के इस्तीफ़े की मांग की। इस मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। दरअसल, बिजली के निजीकरण और 10 मिनट बिजली गुल होने पर चीफ इंजीनियर से लेकर जूनियर इंजीनियर तक पर की गई कार्रवाई का बिजली कर्मी विरोध कर रहे हैं।ऊर्ज़ा मंत्री के आवास पर सुबह से ही बड़ी संख्या में कर्मचारियों का जुटना गया था। 12 बजे तक बड़ी संख्या में बिजली कर्मी जुट गए। मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने के लगे। अफसरों ने मंत्री से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। मिलने वालों के नाम मांगा। संगठन ने 10 पदाधिकारी के नाम भेजें। जिस पर मंत्री ने रिटायर्ड कर्मियों से मिलने से मना कर दिया। इस पर संघर्ष समिति संयोजक शैलेंद्र दुबे ने एक समझौते का आश्वासन देते हुए भेजे गए नाम के प्रतिनिधि मंडल से ही मुलाकात की मांग की। इस पर मंत्री ने मिलने से मना कर दिया। इसके बाद बिजली कर्मी मंत्री के आवास के गेट पर जाकर नारेबाजी करने लगे।अभियंता संघ के महामंत्री जितेन सिंह गुर्जर ने बताया कि लगातार 8 महीने से निजीकरण का विरोध चल रहा है। ऊर्ज़ा मंत्री जहां-जहां जा रहे हैं वहां निजीकरण के फायदे बता रहे हैं। हम उनको आज बताने आए हैं कि इस निजीकरण से उपभोक्ता और नौजवान का क्या नुकसान है? जब से इस निजीकरण का प्रस्ताव चालू हुआ है, तब से लगातार हम शांतिपूर्ण इसका विरोध कर रहे हैं। इसके विरोध में प्रबंधन लगातार इंजीनियरों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बर्खास्त कर रहा है। आउटसोर्स कर्मचारी को जिनकी सैलरी 8000 है, उन्हें बड़ी संख्या में छंटनी करके निकाला जा रहा है। मिर्ज़ापुर की घटना सभी को याद है, जहां पर ऊर्ज़ा मंत्री के कार्यक्रम के दौरान बिजली गुल हो गई थी। अधिशासी अभियंता सहित कई लोगों को निलंबित कर दिया गया, जबकि प्रबंधन पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। संघर्ष समिति ने यह भी बताया कि कर्मचारियों को मिलने वाली रियायती बिजली की सुविधा खत्म करने के लिए जबरन उनके घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003, ट्रांसफर स्कीम 2000, और रिफॉर्म एक्ट 1999 का उल्लंघन है।

कीर्ति कृष्णा बाल चिकित्सालय को जनहित में संचालित करने की आईएमए के पदाधिकारियों ने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हरदोई के कीर्ति कृष्णा बाल चिकित्सालय को चालू कराने की मांग जिला प्रशासन के सामने दूसरी बार रखी है एसोसिएशन ने बाल चिकित्सालय को जनहितकारी बताया, और हादसे के बावजूद अस्पताल प्रबंधन द्वारा तत्परता दिखाते हुए जनहानि के रोकनें के हुए प्रयास को सराहनीय बताया।

दरअसल शहर के नघेटा रोड स्थित कीर्ति कृष्णा बाल चिकित्सालय में बीते 16 जुलाई को बिजली की चिंगारी से धुंआ निकलने की घटना हो गयी थी, इस पर कर्मचारियों एवं अग्निशमन विभाग द्वारा अस्पताल में लगे सुरक्षा उपकरणों और हौज रील से तुरंत काबू कर लिया गया। सुरक्षा साधनों की उपलब्धता और कर्मचारियों की तत्परता से सभी मरीज़, परिजन और कर्मचारी सुरक्षित रहे। भूतल पर स्थित चार निकास द्वारों और प्रथम तल पर स्थित दो निकास द्वारों से सभी को सुगमता से निकाला गया लेकिन धुएं से कुछ घबड़ाये हुए परिजन सीढी लगा कर जल्दबाज़ी में प्रथम तल से सड़क पर उतर गये। हालांकि किसी को कोई चोट नहीं पहुँची। अग्निशमन विभाग के स्पाट मेमो में 25 हज़ार मात्र का नुकसान पाया गया।। कीर्ति कृष्णा बाल चिकित्सालय में संचालन के क्लीनिकल इस्टैब्लिस्मेंट एक्ट के

अंतर्गत आवेदन किया जा चुका था जैसा की जनपद के सभी अस्पतालों का स्टेटस है। अग्निशमन का अनापत्ति प्रमाणपत्र का लिखित में आवेदन किया जा चुका था, उसके लिए विभाग द्वारा दो बार उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों का चला कर निरीक्षण किया गया था, जिसमें सभी उपकरण चालू हालत में पाए गए थे। अग्निशमन एनओसी प्रक्रिया में था जैसा की जनपद के 63 अस्पतालों में से 54 अस्पतालों का स्टेटस है। उ०प्र० प्रदूषण विभाग का प्रमाणन 2026 तक का है। एसोसिएशन का कहना है कि बिना कारण बताओ नोटिस के और जवाब देने का मौका दिए बगैर अस्पताल को सील कर देने से हरदोई के सभी चिकित्सक दुखी हैं और आक्रोशित हैं। कीर्ति कृष्णा बच्चों के चिकित्सालय के मरीज़ों के कष्ट को देखते हुए और कर्मचारियों की जीविका के सवाल को देखते हुए हम सभी हरदोई के चिकित्सकों की मांग है कि उक्त अस्पताल को अति शीघ्र खोला जाये।

इस दौरान अध्यक्ष डॉ० अजय अस्थाना, सचिव डॉ० संदीप कटियार के अलावा, डॉ० अखिलेश पटेल, डॉ० विनय कटियार, डॉ० अरुण मौर्या समेत एसोसिएशन से जुड़े हुए जिले के प्रमुख चिकित्सक मौजूद रहे।

आरओ/एआरओ परीक्षा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आगामी रविवार को होने वाली आरओआरओ/एआरओ परीक्षा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक एआरओ की परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की सभी तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाएं। केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा के लिए लगी हुई पूरी टीम समन्वय बनाकर कार्य करे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उपसंभागीय परिवहन कार्यालय हरदोई में भ्रष्टाचार अपने चरम पर, युवा कांग्रेस ने लगाए गम्भीर आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उपसंभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) हरदोई में भ्रष्टाचार और दलाली के खिलाफ युवा कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से नगर मजिस्ट्रेट को एक ज्ञापन सौंपते हुए कार्यालय में व्याप्त अनियमितताओं और दलालों की सक्रियता पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि परिवहन कार्यालय में राजकीय कर्मचारियों के अलावा ऐसे प्राइवेट लोग कार्य कर रहे हैं जो विभाग से अनुबंधित भी नहीं हैं। यह लोग पटल पर बैठकर खुलेआम फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट, मोहर और दस्तावेजों के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी ट्रांसफर जैसे कार्य करवा रहे हैं। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पटल नंबर 3, 6 और 7 पर प्रत्येक बाबू के पास एक निजी व्यक्ति (दलाल) बैठा हुआ है, जो कार्य के बदले पैसे वसूलता है। इसके अलावा कई ड्राइविंग स्कूल और आरटीओ कार्यालय की मिलीभगत से बिना टेस्ट या प्रशिक्षण के ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा रहे हैं। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि आरटीओ कार्यालय में सिर्फ उसी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति दी जाए जिसका कार्य कार्यालय में लंबित है, और बाकी दलालों को कार्यालय क्षेत्र से कम से कम एक किलोमीटर दूर रहने का निर्देश दिया जाए।उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव निर्भान सिंह यादव ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गईए तो वे उपसंभागीय परिवहन कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को विवश होंगे।

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई में सुनी 94 शिकायतें

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की शिकायतों को सुना। जन सुनवाई के दौरान कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। मौके पर ही पात्रों को वृद्धावस्था पेंशनए निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन से आच्छादित कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। आज 01 बुजुर्ग का आयुष्मान कार्ड बना। इस प्रकार अब तक जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई में 207 बुजुर्ग के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण व पैमाइश के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। भूमि विवाद के स्थाई हल के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास खण्डो में लगे कैम्पों में आधार कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लायी जाये। जन सुनवाई के दौरान माधुरी नाम की एक महिला जिनके पति का देहांत हो चुका हैए का मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना में पंजीकृत कराया गया। कमलेश मिश्रा नाम के बुजुर्ग का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नहने राम व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बालक के सम्बन्ध मे जानकारी होने पर करे 1098 पर काल

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के प्रभारी अनूप तिवारी ने बताया है कि आज एक बालक आयु लगभग 12 वर्ष, यह बालक रात्रि में सर्राफा बाजार, गोपामऊ, हरदोई में पुलिस को लावारिस अवस्था मे

मिला टड़ियावाँ पुलिस द्वारा बच्चे की जानकारी चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को दी गयी। बालक को चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय हरदोई में रखा गया है, बालक अपना नाम व पता बता पाने में असमर्थ है, बालक की आवश्यक कार्यवाही के उपरांत बालक को बाल ग्रह लखनऊ में भेजा जयेगा, बालक से सम्बंधित यदि किसी को कोई जानकारी मिलती है तो चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री 1098 पर या प्रभारी अनूप तिवारी के मोबाइल 9918229858 पर दे सकते है।

दूध डेयरी संचालक संदिग्ध अवस्था में गायब, परिजनों ने कोतवाली में दी सूचना

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र कछौना के ग्राम बनियन खेड़ा निवासी दूध डेरी संचालक मोहम्मद शमीम (29) सोमवार की सुबह दुकान से संदिग्ध अवस्था में गायब हैं। परिजनों ने पूरे मामले की सूचना कोतवाली कछौना को दी। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना के ग्राम बनियन खेड़ा निवासी मोहम्मद शमीम पुत्र मजीद कछौना कस्बा में गौसगंज मार्ग पर तिरंगा डेयरी के नाम से दूध डेयरी संचालित करते हैं। पारिवारिक कलह से बिना कुछ बताएं सोमवार की सुबह दुकान खोलने के बाद कहीं चले गए। परिजन जब दोपहर को खाना लेकर दुकान पर आए, तब वह दुकान पर नहीं मिले, उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ था। आसपास दोस्तों, रिश्तेदारी में काफी खोजबीन की, कोई जानकारी नहीं मिली। उसके बाद परिजनों ने पुत्र के गायब होने की सूचना कोतवाली कछौना को दी। गुमशुदा युवक की होलिया लंबाई 5 फुट 4 इंच है। रंग गोरा है, कपड़ा जींस नीले रंग की, शर्ट सफेद चौखाना की पहने हुए हैं। परिजन काफी परेशान है, परिजनों ने बताया किसी व्यक्ति को गुमशुदा युवक की जानकारी हो तो कछौना पुलिस के सीयूजी नंबर 9454403557 व परिजन के नंबर 788116455 पर सूचना देने की कृपा करें।

मोहम्मद शमीम

पेड़ से टकराई बाईक, एक की मौत, एक घायल

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के लालुआमऊ गांव बाइक चालक संजय (24) पुत्र रामनिवास अपने साथी सुमित (22) पुत्र मिथलेश के साथ मंगलवार की दोपहर लगभग तीन बजे किसी काम से हरपालपुर कस्बा आ रहा थे। कोतवाली क्षेत्र के जोधनपुरवा गांव के पास हरपालपुर से पलिया मार्ग पर अनियंत्रित होकर बाइक मार्ग के पास खड़े बैर के पेड़ से टकरा गई। जिसमे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी हरपालपुर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर ने संजय को मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। जबकि डॉक्टर ने सुमित की हालत को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। मृतक संजय तीन भाइयों में सबसे बड़ा था तथा उसकी शादी लगभग ढाई वर्ष पूर्व साधना के साथ हुई थी। उसका एक वर्षीय पुत्र अभय है। घटना के बाद से मां का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है तथा मृतक खेती बाड़ी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। हरपालपुर के प्रभारी थाना अध्यक्ष उप निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया है कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया हैं। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

सड़क दुर्घटना में घायल बाइक चालक की इलाज के दौरान मौत

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहोरा के निकट 16 जुलाई को सड़क दुर्घटना में घायल हुए बाइक चालक की इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में मौत हो गई। परिजनों की लिखित सूचना पर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम दरियापुर बलभद्र निवासी बालकराम 16 जुलाई की शाम को अपनी पत्नी सोनी के साथ बाइक से शाहाबाद की ओर से गांव वापस जा रहे थे। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहोरा के निकट सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें बालकराम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे सीएचसी लाया गया। जहां गंभीर हालत में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इलाज के दौरान सोमवार की रात में उसकी मौत हो गई।परिजनों की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डालमियां भारत शुगर एण्ड इंडस्ट्रीट यूनिट गंगापुर द्वारा मानसून प्लास्टिग का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। डालमियां भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीट यूनिट गंगापुर द्वारा मानसून प्लास्टिग का शुभारंभ उपमहाप्रबंधक विनय सिंह, रीजनल हेड नरपत सिंह द्वारा किया गया। उपमहा प्रबन्धक द्वारा किसानों के खेत में पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर कहां शरदकालीन बुवाई करने के पहले भी मानसून के आधार पर अपने गन्ने की बुवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि गन्ने की बुवाई के लिए खेत का चयन सही होना चाहिए। साथ ही बुवाई के लिए खेत की गहरी जुताई करेंए उन्होंने कहा बीच में खाली स्थान पर अन्य फसले ली जा सकती हैं। खेत में पानी न रूकता हो। इस पर किसानों ने अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह सीडी, विकास मिश्रा सहित किसान मौजूद रहें।

ब्लॉक मुख्यालय पर टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बैठक में मौजूद खंड विकास अधिकारी दिनेश चंद्र शर्मा फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। मंगलवार को दोपहर ब्लॉक कार्यालय पर खंड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक हुई, जिसमें खंड विकास अधिकारी द्वारा समस्त सचिवों को संचारी रोग अभियान के अंतर्गत सभी गांवों में एंटीलार्वा के छिड़काव एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए। सीएचसी प्रभारी डाक्टर प्रवीण दीक्षित द्वारा संचारी रोगों के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर दिमागी बुखार से बचाव एवं डेंगू एमलेरिया, चिकनगुनिया, फाइलेरिया आदि रोगों से बचाव हेतु चर्चा की गई एवं वीएचएसएनडी दिवस पर वीएपी परिवारों के कन्वर्जन हेतु बीडीओ द्वारा समस्त सचिवों को संयोग करने हेतु बताया गया।

बैठक में मौजूद प्रधान, कोटेदार, आंगनवाड़ी, आशा, सहयोगी के माध्यम से अधिक से अधिक कन्वर्जन करने हेतु विस्तार से जानकारी दी गई। सैम बच्चों के चिन्हांकन एवं फॉलोअप हेतु आंगनबाड़ियों के लिए निर्देश दिए गए और कहा गया वह टीकाकरण सत्र पर वयस्क वजन मशीन, बच्चों के वजन मशीन, स्टैंडोमीटर, इन्फैंटोमीटर आदि लॉजिस्टिक उपलब्ध रखें तथा सैम बच्चों का फॉलोअप एवं चिन्हांकन अवश्य करें। बैठक में वीएबी बच्चों की सूची भी शेयर की गई जिससे अधिक अधिक छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण हो सके। बैठक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ० प्रवीण दीक्षित, डिप्टी सीवीओ रघुवीर सिंह, एडीओ पंचायत जितेन्द्र कुमार तोमर, रजनीश कुमार आलोक कुमार, धीरेन्द्र मिश्रा, बी०एम०सी० अभय सिंह (यूनिसेफ), फील्ड मॉनिटर प्रेम प्रकाश अग्निहोत्री (WHO), रूपेश वर्मा (ARO), समस्त सचिव उपस्थित रहे।

एलपीएस के बच्चो ने कई पदक जीत कर विद्यालय का नाम रोशन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। सीबीएसई बोर्ड द्वारा क्लस्टर चतुर्थ का प्रदेश स्तरीय आयोजन किया गया। आयोजन साईं स्पोर्ट एकेडमी लखनऊ में 19 जुलाई से 21 जुलाई 2025 के मध्य जयपुरिया स्कूल के माध्यम से कराया गया। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, चक्का फेंक, गोला फेक, भाला फेंक, खेलों का आयोजन हुआ।

इन खेलों में लखनऊ पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। अंडर-14 में अग्रिमा पटेल ने चक्का फेंक में स्वर्ण पदक, अंडर-17 में आरुषी पटेल ने ऊंची कूद में रजत पदक, अंडर-19 में अंशिका पटेल ने भाला फेंक में कांस्य पदक व अंडर-19 में आकृति वर्मा ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया। खेल शिक्षक विशाल पटेल ने बताया कि आयुषी पटेल और अग्रिमा पटेल का चयन नेशनल स्तर के लिए हुआ है। बच्चों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य के0 के0 शर्मा ने बताया कि विद्यालय इस प्रकार के आयोजनों में बच्चों को प्रतिभाग करता रहता है और हर संभव सुविधाएं भी प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनको उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

महिलाओ के साथ टप्पेबाजी मे पुलिस ने गिरोह के तीसरे व्यक्ति को दबोचा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। महिलाओं के साथ लाखो रुपयों की टप्पेबाजी करने वाले गिरोह के तीसरे अभियुक्त को मंगलवार को पुलिस ने पकड़ कर जेल भेजा।

कस्बे के मोहल्ला पूर्वी पटेल नगर निवासी सेवानिवृत्त सैनिक बृजेन्द्र कुमार यादव की पत्नी प्रेम कुमारी से 24 जून को जनसेवा केंद्र से 10 हजार रुपए निकालकर घर जा रही थी। उसी समय तीन अज्ञात व्यक्तियों ने बातों में उलझाकर उससे लगभग दस लाख रुपए के सोने के जेवरात ले गया था। उसी दिन ग्राम क्योटी खूबाजगीपुर निवासी रोशन जहां से एक पायल ठग ले गया था। पुलिस ने दोनों घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। एएसपी के निर्देशन में सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश ने गठित टीम व एसओजी ने सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आफाक अहमद पुत्र मतीन अहमद को पकड़ा उसके पास से एक लाख तैतालीस हजार तीन सौ रुपए बरामद किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि यह संगठित गिरोह में छह लोग है तीन पकड़े गए शेष जल्द ही पकड़े जाएंगे। ये सभी घटना के पहले पुलिस की लोकेशन को देखकर उस क्षेत्र में अलग अलग स्थानों पर खड़े होकर सतर्क रहकर महिलाओं को घरेलू समस्याओं को बताकर उलझा देते थे। महिलाएं परेशान होकर ठगों के बताए अनुसार कार्य करके ठग जाती थी। पकड़ने वाली टीम में थानाध्यक्ष विजय कुमार के अलावा एसआई बलराम सिंह यादव, एसआई जय प्रकाश, हेका एसओजी रमापति दिवाकर, हेका एसओजी जितेंद सिंह, आरक्षी एसओजी मंजेश कुमार, व आरक्षी ब्रजनंदन, आरक्षी सोमवीर, आरक्षी हेमन्त व आरक्षी जय प्रकाश शामिल रहे।

देशी शराब के पौवा व गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने होटल के कमरे में की छापेमारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत युवा पीढ़ी जल्दी से बड़े आदमी बनने के चक्कर में गलत कार्यों सट्टाए जुंआ व गांजा बिक्री कार्यों में लिप्त हो जाते हैं। अपराध की दुनिया में शामिल हो जाते हैं। वर्तमान समय में कछौना क्षेत्र में कच्ची शराब, गांजा बिक्री, पशुपक्षियों का शिकार, सट्टा का कारोबार तेजी से फैल रहा है। जिसकी गिरफ्त में किशोर व युवा पीढ़ी तेजी से आ रही है। यह कारोबार को आसान तरीके से करने के लिए पत्रकारिता, राजनीतिक, सामाजिक संगठनों का चोला ओढ़ लेते हैं। जिसकी आड़ में गलत कार्य आसानी से अंजाम देते हैं। जिसका किसी दिन पर्दाफाश होता है। वह कानून के चुंगल में फंस जाते हैं। वह स्वयं व परिवार का भविष्य खराब कर देते हैं। कछौना कस्बा के इमली पुर निवासी कथित पत्रिका अक्षय कुमार औद्योगिक क्षेत्र में होटल का व्यवसाय करते हैं, जहां पर शराब व गांजा की बिक्री करते थे, यहां पर औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण काफी मजदूरों का आवागमन रहता है, जो नशा व शराब के आदी होते हैं। इसी का फायदा यह होटल व्यवसायी उठाते हैं। कछौना पुलिस की टीम ने अक्षय कुमार को गलत व्यवसाय करते हुए पकड़ लिया। अभियुक्त के पास 42 जोशीला देसी शराब पौवा, एक किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ। संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कछौना पुलिस ने न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया। इस कानूनी कार्यवाई से गांजा तस्करों व अवैध शराब माफियाओं व सट्टा माफियाओं में हडकंप मच गया है।

27 जुलाई को शिव विश्व कल्याण संस्थान की विशाल कावड़ पदयात्रा करेगी प्रस्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। 27 जुलाई 2025 दिन रविवार को शाम ०8:00 बजे से शिव विश्व कल्याण संस्थान की विशाल कावड़ पदयात्रा शाम ०8: 00 बजे से मोहल्ला ऊंचा तोक शिव मंदिर से ग्राम सकाहा बाबा शिव शंकर हरण मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी प्रात: सोमवार मंदिर में पहुंचकर सैकड़ो संस्थान के अनुयाई व्रत रखकर राष्ट्र को परम वैभव उन्नति के शिखर पर ले जाने एवं राष्ट्र को विश्व धर्म गुरु बनाने एवं विश्व शांति के लिए सामूहिक महाकाल से कामना करेंगे।

22 जुलाई 2025 शिव विश्व कल्याण संस्थान के कार्यकर्ताओं में पदाधिकारी की आवश्यक बैठक प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष विशाल कावड़ पदयात्रा की तैयारी के संबंध में संस्थान के प्रदेश सचिव समाजसेवी राजीव गुप्ता के ई रिक्शा एजेंसी स्थित कोतवाली मार्ग पर सामूहिक शिव प्रार्थना के उपरांत संपन्न हुई। संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त जय शिव, प्रदेश सचिव राजीव गुप्ता वरिष्ठ सदस्य संजीव अग्रवाल ने बताया शिव विश्व कल्याण संस्थान के तत्वाधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान की 17 बी विशाल कावड़ पदयात्रा संस्थान के प्रदेश महामंत्री डॉक्टर सुरनाथ अवस्थीअवस्थी खुनखुन के आवास स्थित ऊंचा तोक शिव मंदिर पर 27 जुलाई 2025 दिन रविवारशाम ०8:00 बजे से शिवलिंग महाकाल की विधिवत पूजा अर्चना के उपरांत शिव संकट हरण बाबा ग्राम सकाहा के लिए संस्थान के हजार अनुआई शिव भक्तजन प्रस्थान करेंगे तथा प्रात: काल ०4:00 बजे दिन सोमवार को सकाहा मंदिर में महाकालशिव पर जलाभिषेक दूध फल आदि अर्पित कर व्रत रखकर राष्ट्र को उन्नत के शिखर पर ले जाने एवं राष्ट्र को पुन: विश्व धर्म गुरु बनाने की सामूहिक वंदना अर्चना कर विश्व शांति के लिए महाकाल से करेंगे। संस्थान के प्रदेश महामंत्री डॉक्टर सुरनाथ अवस्थी ने बताया भोज्य प्रसाद वितरण की व्यवस्था संस्थान के वरिष्ठ सदस्य समाज से भी महेश चंद्र गुप्ता डब्लू द्वारा प्रतिवर्ष के बाद इस वर्ष भी की जाएगी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ सत्संगी पूर्ण कुमार गुप्ता बबलू, रजनीश मिश्रा अजय मिश्रा सत्येंद्र सिंह तोमर छोटू तोमर आशीष पांडे अमर अवस्थी उत्तम सिंह सतीश गुप्ता नीरज श्रीवास्तव लाल प्रजापति विक्की सिंह राठौड़ शशि नाथ अवस्थी अवस्थी शीलू अधिवक्ता अमन यंत्र त्रिपाठी अधिवक्ता शुभम गुप्ता अधिवक्ता अमर सिंह अधिवक्ता संजीव अवस्थी पी पी मिश्रा अधिवक्ता जितेंद्र श्रीवास्तव प्रदीप यादव सुधांशु रंजन श्रीवास्तव अधिवक्ता बाबूलाल पांडे अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा सुधीर यादव देवेंद्र सिंह सुनील सक्सेना राम बहोरन मिश्रा श्याम मोहन गुप्ता राजेश कुमार गुप्ता ज्योतिमा गुप्ता श्रअर्चना सिंह बेबी सोनी प्रेम कुशवाहा दयाशंकर अवस्थी महावीर सिंह उदय प्रताप सिंह पंकज सिंह विजय प्रताप सिंह टिंकू सिंह शशिकांत भट्ट कमल अवस्थी सुषमा सिंह बीना गुप्ता सर्वेश कुमारी गुप्ता स्वीटी गुप्ता नियति गुप्ता एकता गुप्ता नीलम पांडेबबीता गुप्ता अनुराधा गुप्ता सत्येंद्र गुप्ता सुनील गुप्ता मनोज गुप्ता मनोज पांडे जयप्रकाश त्रिपाठी उमेश शुक्ला शिबू वाजपेई जितेंद्र वाजपेई प्रभु नारायण त्रिवेदी मुकुंद मिश्रा राजीव कुमार पांडे राजू विवेक सक्सेना वीरू सक्सेना छोटू बनिया हर्ष अवस्थी अमित सिंह चौहान राघवेंद्र सिंह सोमवंशी राघवेंद्र बाजपेई रानू त्रिवेदी ओम कांत मिश्रा रिंकू शर्मा मनोज पांडे रिंकू मिश्रा पुनीत शुक्ला रोहित शुक्ला कपिल चौहान नितेश शुक्ला अनितशुक्ला देवदत्त मिश्रा देव संदीप अग्निहोत्री सुमित शुक्ला अधिवक्ता महेश चंद्र गुप्ता अमित कुमार श्रीवास्तव ओम कुमार दिनेश चंद त्यागी हर्षित राम शंकर गुप्ता विनय कुमार गुप्ता एडवोकेट अधिवक्ता मुकेश अग्निहोत्री अनिल कुमार मिश्रा राजकमल शुक्लाचंद्रमुखी सक्सेना संस्थान के संस्थापक शिवशरण गुप्ताए वरिष्ठ सत्संगी सदस्य अमरीश कुमार शुक्ला सहित सैकड़ो संस्थान के अनुयायियों ने विशाल कावड़ पदयात्रा को भव्य और सफल बनाने के लिए संकल्प लिया।

बुजुर्गों पर संकट

निर्विवाद रूप से जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियों का सामना आज समाज का हर वर्ग कर रहा है। खासकर विकासशील व गरीब देशों की स्थितियां विकट हैं जहां पर्यावरणीय प्रदूषण व लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेष तौर पर इन दिनों जब अमेरिका-यूरोप समेत एशिया के तमाम देश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है। चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष दरपेश गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है। दरअसल, बुजुर्गों पर बढ़ते इस संकट की मूल वजह बड़ी उम्र में आंतरिक तापमान को नियंत्रण में करने की क्षमता घटना है। जिससे वे मौसम की तीव्रता को सहन नहीं कर पाते। फलतरू गर्मी व ठंड की तीव्रता को सहन करने में उनका शरीर सक्षम नहीं हो पाता। कुल मिलाकर उनकी कम होती रोग प्रतिरोधक क्षमता गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। वैसे भी मौसम के चरम का असर उन लोगों के लिये ज्यादा संवेदनशील होता है जो बढ़ती उम्र के रोगों से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे देशों को बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना चाहिए। दरअसल, पर्यावरण प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहा है। खासकर शहरों में स्थिति ज्यादा विकट है, जहां बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रलोभन में आ बसते हैं। फलतरू मरीजों के दबाव से स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराने लगती हैं। जिसकी कीमत बुजुर्गों को चुकानी पड़ती है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति की आय कम हो जाती है, फलतरू शारीरिक क्षमता में गिरावट के बाद बढ़ती उम्र के रोगों का इलाज करा पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि उनके बच्चे उनका साथ नहीं देते तो उनके लिए संकट और गहरा जाता है। निस्संदेह, बुनियादी ढांचे को मजबूत करके स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती व सर्व सुलभ बनाने की भी जरूरत है। जिससे संवेदनशील वर्ग के संकट के समाधान में मदद मिल सके। ऐसे में बुजुर्गों की भागीदारी सामाजिक कार्यक्रमों व आय के साधन जुटाने में बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे शारीरिक गतिशीलता से उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। दरअसल,बढ़ती उम्र व बीमारियां उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं। निस्संदेह, यदि वैश्विक तापमान में और वृद्धि होती है, तो बुजुर्गों के लिये ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के घातक परिणाम हो सकते हैं। यूएनइपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान में यदि औद्योगिक समय के बाद से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो वर्ष 2050 के बाद बुजुर्गों की मौत के प्रतिशत में तीन सौ फीसदी से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इस आसन्न संकट से योजनाबद्ध प्रयासों से ही निबटा जा सकता है।

विशेष तौर पर इन दिनों जब अमेरिका-यूरोप समेत एशिया के तमाम देश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है। चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष दरपेश गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है।

आ गया भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

योगेश कुमार गोयल

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है। यह सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है, क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरुषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराइयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी मां गंगा हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

विशेष गहन पुनरीक्षण की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है। गैर भाजपशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है। ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईर्आर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है। ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण ब्लपिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पश्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है। बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गर्माया हुआ है। ममता बनर्जी ने 'फ़ेक वोटर' की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है। जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नजर 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो अधिक मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप रही है। इसलिये उन्होंने अभी से विरोध का स्वर ऊंचा करना शुरू कर दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इंडी गठबंधन के नेता संविधान के सम्मान और रक्षा की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का भेद है। वो कदम कदम पर संविधान, संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की परंपराओं का अनादर करते दिखाई देते हैं। एक तरफ, विपक्ष चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत के आरोप लगाता है। वहीं दूसरी तरफ, जब चुनाव आयोग मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर साफ सुथरी सूची बनाने का अभियान चलाता है, तो उसका विरोध करने लगता है। साफ सुथरी वोटर लिस्ट न बने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। विपक्ष के इस दोहरे मापदण्ड और चरित्र के बारे में भला क्या कहा जाए। विपक्ष के ऐसे रवैये से एक बात तो साफ है कि विपक्ष चुनाव में मिली हार और अपनी नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम के सिर पर ठीकरा फोड़ता है? तय मानिए, आने वाले दिनों में एसआईआर के विरोध की गूंज देशभर में सुनाई देगी। और यह भी लिखकर रख लीजिए इसमें सबसे ज्यादा ऊंची आवाज तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की होगी। तृणमूल कांग्रेस के विरोध, धमकी और बेचैनी से यह समझ में आ रहा है कि दाल में कुछ नहीं बहुत कुछ काला है।

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

ललित गर्ग

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं।

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता। अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है? ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए। आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी। पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बीएलओ ड्यूटी संशोधन के संबंध में जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

- गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों एवं 55 वर्ष से अधिक के शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि जनपद बांदा में बीएलओ ड्यूटी अनियमित तरीके से लगा दी गई है। बी एल ओ की नियुक्ति के संबंध में समस्त विभागों के राजकीय/संविदा कर्मचारी लगाए जाने के निर्देश हैं जबकि जनपद बांदा में अधिकतम बी एल ओ शिक्षकों को बनाया गया है। जिससे विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित होना तय है। ग्राम पंचायत स्तरीय अन्य विभागों के कर्मचारी को बीएलओ ड्यूटी पर पहले लगाया जाना चाहिए। कई शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी पंचायत चुनाव एवं विधानसभा चुनाव दोनों में अलग-अलग क्षेत्रों में लगा दी गई हैं। इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाध्यापकों की बी एल ओ ड्यूटियां लगाई गई है जिससे विद्यालय का संचालन प्रभावित हो रहा है,क्योंकि विद्यालय के मिड डे मील से लेकर संचालन की समस्त जिम्मेदारी इंचार्ज प्रधानाध्यापक की रहती है। साथ ही 60 - 70 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक दिव्यांग शिक्षकों की ड्युटियां भी लगा दी गई हैं। जिससे उनको ड्यूटी करने में असुविधा होगी। उन्होंने मांग की कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अन्य विभागों के राजकीय/संविदा कर्मचारियों को बीएलओ ड्यूटी में पहले लगाया जाए,बहुत आवश्यकता होने पर ही शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी में लगाया जाए जिससे कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। अधिकतम शिक्षक बीएलओ ड्यूटी में लगा देने पर विद्यालय में शिक्षण कार्य प्रभावित होने की पूर्ण आशंका है। समस्त प्रधानाध्यापकों/इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त रखा जाए जिससे विद्यालयों का संचालन सुचारु रूप से हो सके।समस्त दिव्यांग शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त रखा जाए।55 वर्ष से अधिक उम्र के शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी न लगाई जाए। गर्भवती,गंभीर बीमार एवं मातृत्व अवकाश में होने वाली महिला शिक्षिकाओं को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त रखा जाए। एक शिक्षक की एक ही बीएलओ ड्यूटी या तो पंचायत चुनाव या फिर विधानसभा चुनाव में एक ही क्षेत्र में लगाया जाए।

व्यापारी अधिकारी मिलन समारोह का हुआ आयोजन

बांदा। मंगलवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन बांदा के बैनर तारे शहर के एक निजी मैरिज हॉल में व्यापारियों एवं अधिकारियों के बीच वार्तालाप का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विनय चौरसिया प्रदेश उपाध्यक्ष एवं रामगोपाल सोनी महोबा जिला अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित करके किया जिला शहर गांव कस्बो की कमेटियों का शपथ ग्रहण हुआ साथ ही इस मौके पर खाद्य एवं औषधि जेपी तिवारी ने व्यापारियों के साथ वार्तालाप किया कार्यक्रम की अध्यक्षता अरविंद गुप्ता ने की एवं संचालन तोप सिंह जसपुरा अध्यक्ष ने की इस मौके पर केदार अग्रवाल, अशोक कल्पना, अरविंद बरौलिया, राम प्रताप शुक्ला, सचिन चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, अनिल छोटे, राजेश शुक्ला, शिव प्रताप श्रीवास्तव, लखन कुशवाहा, मुकेश श्रीवास, रामफल कुशवाहा, अनुपम गुप्ता, याशिर, शिवम सिंह, संकल्प शुक्ला, शहबूब खान, संतोष ढ़ढ़ रिया, बालमुकुंद शुक्ला, वीरेंद्र गोपाल, रोहित साहू, जितेंद्र सिंह चौहान सहित सैकड़ो की संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में भारी हुजूम के साथ नारेबाजी करता हुआ पुरानी तहसील से नई तहसील पहुंचा, जहां पर महामहिम राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन राहुल द्विवेदी उप जिलाधिकारी अतर्रा को सौंपा गया, इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि ष्प्रदेश सरकार ने अपने संकल्प पत्र में किसानों को मुफ्त बिजली देने का वादा किया गया था जो खोखला साबित हो रहा है, वर्तमान समय में खरीफ की बुआई का समय चल रहा है, किसानों को भरपूर खाद भी सुलभ नहीं हो पा रही है, सरकारी समितियों द्वारा खाद की कालाबाजारी कर अपने चहेतों को दी जा रही है।

कांग्रेस उपाध्यक्ष सूरज बाजपेई एडवोकेट ने कहा कि ष्कांग्रेस की सरकार में किसानों को वरीयता के आधार पर खाद, बीज, बिजली व पानी सुलभ कराने का कार्य किया जाता था, एक ओर सरकार कहती है किसानों की आय दोगुनी होगी लेकिन देखने में आ रहा है वर्तमान सरकार से आजिज आकर किसान आत्महत्या कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा खान एडवोकेट, पीसीसी मुमताज अली, उपाध्यक्ष मोहम्मद इदरीश, डॉ संजय द्विवेदी दनादन, जिला महामंत्री सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेट, जगदीश गुप्ता विक्की, कंट्रोल रूम प्रभारी बी लाल भाई, कल्लू राम जाटव पूर्व चेयरमेन, जिला सचिव राजेन्द्र गर्ग नाती, बाबूराम यादव, अम्बिका खेंगर, बांदा कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, नगर अध्यक्ष अतर्रा रमेश चन्द्र साहू, ब्लॉक अध्यक्ष बिसंडा शिवाकांत मिश्रा, अशरफ उल्ला खान रम्पा, गौरीशंकर गुप्ता टिल्लू, कैलाशनाथ बाजपेई, मोहम्मद नसीम, सनी गुर्जर, राम सिंह, लवकुश गिरी, हिमेश रशमिया, प्रदीप कुमार, राजकुमार, दीपांशु ठाकुर, मोहम्मद रजा खान, विनयकांत शुक्ला, कुलदीप नामदेव, धर्मेन्द्र सिंह सहित काफी संख्या में कांग्रेस जन ज्ञापन में मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली का करंट लगने से युवती की मौत

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के कस्बा कलान में विद्युत करंट से एक युवती की मौत हो गई।मकान के मुख्य द्वार पर गुजर रहे तार में कट लगा होने की वजह से लोहे से निर्मित दरवाजे में प्रवाहित करंट की चपेट में युवती आ गई और वह गंभीर रूप से झुलस गई।परिजन जीवन की आस में उसे जनपद बदायूं ले गए।जहां के अस्पताल में डाक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। नगर कलान के मोहल्ला सूर्यनगर निवासी राजीव गुप्ता की इकलौती पुत्री झलक 18 इंटरमीडिएट की छात्रा थी।बताया जाता है मकान के मुख्य द्वार से निकला विद्युत तार में कट लगा था।लोहे के गेट में तार के छू जाने से दरवाजे करंट प्रवाहित हो गया।झलक दरवाजा बंद करने गई।जैसे ही उसने गेट पकड़ा वह तेज झटके के साथ गिरकर बेहोश हो गई।परिजन उसे गम्भीर अवस्था में बदायूं अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका झलक राजीव गुप्ता उर्फ कल्लू की इकलौती बेटी थी।पढ़ाई लिखाई में काफी कुशल झलक ने इस वर्षईटरमीडिएट की परीक्षा पास की थी। वह आगे भी पढ़ाई करना चाहती थी।झलक की मौत से जहां परिवार में मातम छा गया वही नगर कलान का माहौल काफी गमगीन हो गया।। मंगलवार को परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।बेटी की अचानक मौत से पूरे परिवार में शोक की लहर है।

बाइक सवारों ने युवक को मारपीट कर किया घायल

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के कस्बा कलान में बाइक सवार युवकों ने एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया।पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कलान नगर पंचायत निवासी अंकित गुप्ता पुत्र मुकेश गुप्ता निवासी धूमनाथ नगर ने थाने पर दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह रात 9 बजे तंबाकू लेने के लिए मुरादाबाद फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे पर स्थित ओपी गेस्ट हाउस के पास गया था।वहीं दो बाइक सवार आ गए और उन्होंने पूछा कि यहां अंडा मिल जाएंगे।उसने कहा कि सावन माह में मैंन रोड पर अंडा नहीं मिलेंगे।मीट मछली अंडा चोरी छुपे बिकते हैं।इसी बात पर बाइक सवारों ने उसके साथ मारपीट की और लोहे का पेंचकस उसके माथे में घुसेड दिया।जिससे वह लहूलुहान हो गया।बताया जाता है कि जब तक लोग इकट्ठे हुए तब तक वह बाइक छोड़कर भाग गए।बाइक पुलिस की हिरासत में है हमलावर अज्ञात बताए जाते हैं। पुलिस ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा है।उसने प्रभारी निरीक्षक को तहरीर देकर कठोर कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

शुक्लागंज में स्वच्छता अभियान तेज, विभिन्न वार्डों में चल रहा एंटी-लार्वा छिड़काव

शुक्लागंज(उन्नाव)। नगर पालिका परिषद शुक्लागंज द्वारा नागरिकों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा स्वच्छता और एंटी-लार्वा अभियान तेजी पकड़ चुका है। इसी क्रम में मंगलवार को पालिका की सफाई टीम एसवीएम प्रभारी अनूप शुक्ला की निगरानी में सुभाष नगर पहुंची और व्यापक सफाई कार्य किया। इस दौरान वार्ड की सभी गलियों से कूड़ा-कचरा हटाया गया। इसके उपरांत मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए चूने और एंटी-लार्वा रसायनों का छिड़काव किया गया। अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा ने बताया कि यह विशेष अभियान 31 जुलाई तक पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य संक्रामक रोगों की रोकथाम करना और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

सिकंदरपुर सरोसी में बीईओ का छापा, बिना मान्यता संचालित सीनियर कक्षाएं बंद

शुक्लागंज(उन्नाव)। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के अंतर्गत स्थित कुछ निजी विद्यालयों में जूनियर स्तर की मान्यता के बावजूद सीनियर कक्षाएं संचालित किए जाने की शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) जगदीश कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को औचक निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई की।

आबकारी विभाग की छापेमारी, 25 लीटर कच्ची शराब बरामद, 400 किलो लहन नष्ट

- विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत पुरवा क्षेत्र के गढ़ाकोला गांव में दबिश, दो अभियोग दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आबकारी विभाग की टीम ने सोमवार को जनपद उन्नाव के थाना पुरवा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़ाकोला में बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त की और लगभग 400 किलोग्राम लहन को मौके पर नष्ट किया। यह कार्रवाई विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी उन्नाव के निर्देश पर उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार और जिला आबकारी अधिकारी उन्नाव द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत की गई। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 ने अधीनस्थ स्टाफ व स्थानीय पुलिस के सहयोग से यह छापेमारी की।

> मौके पर दो व्यक्तियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की गई है। जिला आबकारी अधिकारी का कहना है कि अवैध शराब के विरुद्ध यह अभियान आगे भी इसी सख्ती से जारी रहेगा।
>
> **जिला आबकारी अधिकारी, अनुराग मिश्र**

रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को मुख्य विकास अधिकारी ने नियुक्त पत्र देकर बस से किया रवाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी में 14 जुलाई वृहद रोजगार मेले का आयोजन हुआ था जिसमें 23 कंपनियों ने शिरकत की थी। उक्त मेले में 4039 अभ्यर्थियों ने रोजगार के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया था जिसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा कुल 2001 अभ्यर्थी चयनित हुए थे जिसमें गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड भिवानी हरियाणा द्वारा 35 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। इन्ही अभ्यर्थियों को मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी द्वारा उक्त कंपनी का जारी किया गया नियुक्ति पत्र अभ्यर्थियों को देकर बस को विकास भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान उपायुक्त स्वतः रोजगार सुखराज बन्धु, जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप सिंह द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी। जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन/डायट प्राचार्य निधि शुक्ला ने अवगत कराया कि निकट भविष्य में और कम्पनियो द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को इसी प्रकार कम्पनियों में भेजा जायेगा। इस अवसर पर जिला कौशल प्रबन्धक दीपक मौर्या, योगेन्द्र शुक्ला, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक शिवनरेश शुक्ला, जिला सेवायोजन कार्यालय के वरिष्ठ सहायक विनोद कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। राजकीय बालिका इंटर कालेज सिराथू में मंगलवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तीकरण, बाल विवाह व बालश्रम आदि विषयों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ़ वूमेन की टीम द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना तथा 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन एवं 108 एंबुलेंस सेवा सहित सभी हेल्पलाइन नम्बरों के उपयोग की जानकारी दी गयी। इसके साथ-साथ बाल विवाह के विरुद्ध दंड तथा अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इसी तरह किशोरियों को गुड टच, बैड टच एवं माहमारी में साफ-सफाई रखना आदि के विषय में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ़ वूमेन की टीम तथा खंड शिक्षा अधिकारी सम्मिलित रहें।

सफीपुर में सड़कों पर बढ़ते बेसहारा गोवंश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

- दुर्घटनाओं और जाम का कारण बन रहे गोवंश, प्रशासन से समाधान की मांग तेज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर(उन्नाव)। कस्बा सफीपुर और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बेसहारा गोवंश की सड़कों पर बढ़ती मौजूदगी आमजन के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। मुख्य मार्गों से लेकर गलियों और राजमार्गों तक गोवंशों का बेरोकटोक आवागमन न केवल ट्रैफिक जाम की वजह बन रहा है, बल्कि आए दिन दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहा है। खासकर रात के समय ये स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, जब वाहन चालकों को अंधेरे में इन्हें देखकर समय पर रिएक्ट करने का मौका नहीं मिल पाता। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कस्बे की मुख्य सड़कों से लेकर ग्रामीण पगडंडियों तक गोवंशों का जमावड़ा अब आम हो गया है। इनकी वजह से लोगों को न केवल आवागमन में परेशानी होती है, बल्कि कई बार जानलेवा हादसों का भी सामना करना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति और भी अधिक जोखिमभरी होती जा रही है।

गौरतलब है कि सरकार द्वारा प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये गौशालाओं के संचालन पर खर्च किए जाते हैं, ताकि बेसहारा गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिल सके। बावजूद इसके सड़कों पर गोवंशों की बढ़ती संख्या कई सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश गौशालाओं में व्यवस्था चरमराई हुई है। चारा-पानी की कमी, देखरेख का अभाव और सीमित स्थान के चलते गोवंश कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। सड़कों पर गोवंशों के मल-मूत्र से गंदगी फैल रही है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ रहा है। वाहन टकराने से न केवल जानमाल की हानि हो रही है, बल्कि सरकारी संपत्तियों जैसे सड़कों और वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि वह जल्द से जल्द सक्रियता दिखाते हुए इन बेसहारा गोवंशों को पकड़कर गौशालाओं में भेजने की व्यवस्था करे। साथ ही अधिक संख्या में गौशालाओं का निर्माण कराना और पहले से संचालित गौशालाओं में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना भी जरूरी है। लोगों का यह भी कहना है कि सरकार को गोवंश संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाना चाहिए और जो लोग जानबूझकर गोवंशों को सड़कों पर छोड़ते हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

स्थानीय लोगों को अब उम्मीद है कि प्रशासन और सरकार इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकालने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

> इस संबंध में खंड विकास अधिकारी श्वेता त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी ग्राम पंचायत में गौवंश खुले में घूमते पाए जाते हैं तो संबंधित सचिव के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी सचिवों को पत्र जारी कर छुट्टा गोवंशों को गौशालाओं में संरक्षित करने के निर्देश दिए गए हैं।
>
> **श्वेता त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी**

सचिव से जन्म प्रमाण दिलाने को ग्रामीण ने डीएम से लगाई गुहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। विकास खंड महुआ के ग्राम पंचायत काजीपुर सचिव लवकुश कुमार द्वारा गांव काजीपुर रहवासी जगदेव की दो पोतियों का जन्म प्रमाण जारी किये जाने के बाद भी महीनों तक मूल जन्म प्रमाण पत्र बच्चियों के परिजन जगदेव को काफी मिन्नत करने के बाद भी न देने पर जगदेव ने जिलाधिकारी बांदा को शिकायत भेजकर पंचायत सचिव लवकुश कुमार से अपनी पोतियों के मूल जन्म प्रमाण पत्र दिलाने की गुहार लगाई है। काजीपुर रहवासी जगदेव ने बताया कि उसकी दो पोतियों का जन्म गांव काजीपुर में स्थित घर में हुआ था जिससे उसने पंचायत सचिव को आपनी पोतियों के जन्म प्रमाण आनलाइन बनाये जाने के लिये महीनों पहले सभी आवश्यक कागजात दिया जिसके कई महीने बाद पंचायत सचिव लवकुश कुमार ने उसकी पोतियों के आनलाइन प्रमाण पत्र ब्लाक महुआ से जारी कराया तथा जन्म प्रमाण पत्रों की फोटो कॉपी की फोटो खींचकर दूसरे व्यक्ति के ह्वाट्सएप पर भेज दिया, जगदेव ने बताया कि सचिव द्वारा भेजे गए जन्म प्रमाण पत्रों की फोटो कॉपी से बच्चियों के आधार कार्ड का पंजीकरण नहीं हो रहा है ।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं :

कार्य का नाम : ... ई-निविदा सूचना सं. : CEE/Project/LJN/MWP-DDU, अनुमानित लागत : ... बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि) : ... निविदा बन्द होने की तिथि : 22.08.2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 24 महीना।

• पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण की मान्य होगा। मुख्य विद्युत अभियंता/प्रोजेक्ट, मुजावि/विद्युत-ए पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें।

उन्नाव में जर्नलिस्ट प्रेस क्लब चुनाव सम्पन्न

- सूरज मिश्रा अध्यक्ष निर्वाचित, शांतिपूर्ण मतदान में दिखा पत्रकारों का उत्साह, मंत्री पद पर धर्मेंद्र सिंह की जीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज(उन्नाव)। जर्नलिस्ट प्रेस क्लब एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की उन्नाव इकाई का द्वितीय वर्ष कार्यकारिणी चुनाव रविवार को शुक्लागंज के मरहला चौराहा स्थित सूर्या गैलेक्सी लॉन में शांतिपूर्ण व पारदर्शी माहौल में सम्पन्न हुआ। पूरे दिन पत्रकारों में मतदान को लेकर उत्साह और सक्रियता देखने को मिली। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में सूरज मिश्रा और अश्वनी गौतम आमने-सामने थे, जहां मुकाबला काफी दिलचस्प रहा। मतगणना शाम सात बजे तक चली और परिणाम घोषित होने पर सूरज मिश्रा ने भारी अंतर से विजय हासिल की। उन्हें कुल 232 मत प्राप्त हुए, जिससे उन्होंने अध्यक्ष पद पर जीत का परचम लहराया। मंत्री पद पर धर्मेंद्र सिंह ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। उन्हें कुल 259 मत प्राप्त हुए।

मतगणना के प्रत्येक चरण में पत्रकारों की निगाहें परिणामों पर टिकी रहीं और जैसे-जैसे बढ़त साफ होती गई, समर्थकों में उत्साह भी बढ़ता गया। महामंत्री पद पर अबरार खान, कोषाध्यक्ष पद पर रमन शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्षितिज बाजपेई और उपाध्यक्ष पद पर राहुल सिंह निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दिवाकर मिश्रा, इमरान खान, रेहान खान, अमित सिंह, शैलेन्द्र सिंह और प्रेम प्रकाश द्विवेदी को चुना गया।

चुनाव के दौरान गंगाघाट पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही और कहीं कोई अव्यवस्था देखने को नहीं मिली। परिणाम की घोषणा होते ही विजयी प्रत्याशियों ने विजय जुलूस निकाला और अपने समर्थकों के साथ उल्लास व्यक्त किया। पूरा आयोजन सौहार्द और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उदाहरण बना, जिसमें पत्रकारिता जगत की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी की झलक साफ दिखाई दी।

बांगरमऊ में खेत बना रहस्यपूर्ण गड्ढा, तालाब और खेत का पानी समाया, मछलियां भी लापता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ(उन्नाव)। तहसील क्षेत्र के काशीराम खेड़ा गांव में एक रहस्यमयी घटना ने लोगों को चौंका दिया। एक खेत में अचानक बड़ा गड्ढा बन गया, जिसमें न केवल खेत का 4-5 फीट भरा पानी, बल्कि पास के एक सरकारी तालाब का पूरा पानी भी समा गया। इस दौरान मछली पालन कर रहे किसान की बड़ी संख्या में मछलियां भी गड्ढे में समा गईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यह गांव और आसपास के क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना शिवमंगल के खेत में हुई, जहां पिछले वर्ष एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए करीब 5 फीट गहराई तक मिट्टी निकाली गई थी। बीते दिनों हुई बारिश के कारण खेत में पानी भरा था। रविवार को अचानक खेत से गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी और लोगों ने देखा कि एक गहरे गड्ढे में तेज़ी से पानी समा रहा है। सूचना मिलने पर मंगलवार को क्षेत्रीय लेखपाल कमल किशोर मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पड़ोस के खेत मालिकों के अनुसार, तेज आवाज के साथ मिट्टी धंस गई और एक बड़ा गड्ढा बन गया, जिसमें सारा पानी चला गया। हालांकि घटना के सटीक कारणों का पता अभी तक नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि शिवमंगल के लगभग 10 बिस्वा खेत का पानी और एक बीघे के सरकारी तालाब का पानी पूरी तरह से उस गड्ढे में समा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले यहां खेत की सिंचाई के लिए समरसिबल की बोरिंग की गई थी और संभवतः उसी स्थान की मिट्टी कमजोर होकर धंस गई, जिससे यह गड्ढा बना। नासिर अली नामक व्यक्ति ने यह खेत शिवमंगल से 20 हजार रुपये में लेकर मछली पालन शुरू किया था।

कार्यालय ग्राम पंचायत इंदेपुर, विकास खंड कांट, शाहजहांपुर

पत्रांकः मेमो — दिनांक 23/7/25

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत पंजीकृत फर्म विक्रेता को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत इंदेपुर द्वारा वर्ष 2025-26 की स्वीकृत केंद्रीय वित्त /राज्य वित्त/मनरेगा कार्य योजना के अंतर्गत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि के फर्म निर्माण सामग्री तथा सीमेंट, रेता, बजरी, मौरंग, सरिया, लोहे का एंगल, पाइप आदि कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है सभी निविदाएं छापने के 3दिन बाद ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेंगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	ग्राम रहमान नगर मुख्य मार्ग से सीताराम के मकान तक नाली वा इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य 100X3 मीटर	398000

नोट-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।
8- समस्त सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर की जायेगी।

संसारवती
प्रधान
ग्राम पंचायत इंदेपुर
विकास खंड कांट शाहजहांपुर

अनिल कुमार वर्मा
सचिव
ग्राम पंचायत इंदेपुर
विकास खंड कांट शाहजहांपुर

समीक्षा अधिकारी परीक्षा को लेकर ब्रीफिंग सम्पन्न

- पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर और अपर जिलाधिकारी सुशील गोंड ने दिए सख्त निर्देश, परीक्षा नकलविहीन और शांतिपूर्ण कराने पर जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में आगामी समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा-2023 को सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड ने परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए सेक्टर मजिस्ट्रेटों और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को स्पष्ट निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि परीक्षा 27 जुलाई 2025 को एक सत्र में प्रातः 9:30 बजे से 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा पूरी तरह नकलविहीन, शांतिपूर्ण और शुचितापूर्ण ढंग से कराई जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। निर्देशों में स्पष्ट किया गया कि सभी अधिकारी समय से अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचें और उनके पास वैध पहचान पत्र (आई कार्ड) होना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह वर्जित रहेंगे। बायोमैट्रिक सत्यापन की सभी प्रक्रियाएं समय से पूरी कराई जाएं, किसी भी प्रकार की देरी न हो। हर परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी कैमरे अवश्य चालू अवस्था में रहें और सभी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, फर्नीचर, पंखे, दरवाजे-खिड़कियों की स्थिति समय रहते दुरुस्त करा ली जाए।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी पुलिसकर्मी व अधिकारी पूरी मुस्तैदी से कार्य करें। किसी भी परीक्षार्थी के पास यदि इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पाया जाता है तो तत्काल उसे जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। चेकिंग के दौरान कोई लापरवाही न हो और सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर लें और किसी प्रकार की समस्या की जानकारी समय रहते उच्च अधिकारियों को दें। अफवाहों पर ध्यान न देकर सही सूचना के आधार पर कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह, उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला आबकारी अधिकारी सहित बड़ी संख्या में परीक्षा में लगाए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

विवाहिता महिला ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सिमौनी गांव में अज्ञात कारण के चलते एक 20 वर्षीय विवाहित महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। जैसे ही परिजनों ने देखा तो पुलिस को सूचना दिया। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सिमौनी गांव के रहने वाली महिला रोहिणी पत्नी लवलेश यादव उर्फ राजू उम्र करीब 20 वर्ष मंगलवार की दोपहर करीब 3रू00 बजे सुने घर के खपरैल की धन्नी पर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया, जैसे ही परिजनों ने देखा तो कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस में महिला के शव फांसी के फंदे से निकाला और शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस के द्वारा इस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं परिजनों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक मृतक महिला रोहिणी की शादी पिछले वर्ष 12 जुलाई 2024 को हुई थी।

कांवड यात्रा के दौरान सुन्दर सुन्दर झांकियो ने मन मोहा

- राजघाट से 18 वर्षो से जल लेकर गोला आ रहे है कांवडिये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री शिव सेवा संघ महोली भेलावां खुर्द सीतापुर के संगठन के लोगो की ओर से राजघाट से 300 लोगों का जत्था लगभग 18 वर्षों से लगातार गंगाजल लेकर हर वर्ष की तरह सावन माह मे पडने वाली शिव तेरस को ही जलाभिषेक करने गोला आ रहा है। मालूम हो कि लगभग 16 जुलाई को जल भरकर 22 जुलाई शाम पांच बजे शिव तेरस को तीन सौ कावडियो ने गोला पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेगे। इस दौरान गोला तहसील के गांव कपरहा मे शिव मन्दिर पर रात्री की बेला मे रुककर सुबह नहा-धोकर भगवान की आरती कर श्री धाम ब्रंदावन से पधारी रहस लीला पार्टी के कलाकार पुष्पेंद्र सिंह व उनके साथियो के द्वारा भगवान शिव की झांकियो का सजीव लीलाओं का मंचन कर ग्रामीणो का मन मोहा। इस दौरान संचालन कर्ता प्रमोद बाजपेई,अश्वनी मिश्र, शिवम शर्मा, अमित विश्वकर्मा, कृष्ण कान्त बाजपेई, अतुल, रामनरेश, देवेन्द्र कुमार के सहित तमाम कांवडिये मौजूद।

खाटू श्याम बाबा के आयोजित संकीर्तन में श्रोता झूमे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी।नगर के निकटवर्ती कंजा बरमबाबा देवस्थान पर कामदा एकादशी के उपलक्ष्य मे खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में संकीर्तन का आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं से भरे होने पर खाटू नरेश के जयकारों से मंदिर प्रांगण गूंजायन हो गया। रात्रि 8 बजे से बाबा का संकीर्तन शुरू किया गया। अजय गुप्ता की मधुर आवाज से बाबा की महिमा का गुणगान किया गया। बाबा श्याम को सुंदर सुंदर भजनों से रिझाया और भक्तों के अपने भजनों पर थिरकने पर मजबूर कर दिया गया। प्रस्तुत किए गए सुंदर भजनों में- देवा ओ देवा गणपति देवा तुमसे बढ़कर कौन। भोले ओ भोले मेरे यार को मनादे। दिल चोरी साडा हो गया खाटू श्याम के मंदिर में। सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे में भजन गाया तो महिलाएं श्याम की भक्ति में सराबोर होकर झूम उठी। संकीर्तन में श्याम भक्तों से मंदिर प्रांगण पुरुष महिलाओं बच्चों से काफी श्रद्धालु संकीर्तन में हुए सम्मिलित। कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है और उपवास रखा जाता है. यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए शुभ माना जाता है जो संतान सुख, विवाह में सफलता, प्रेम संबंधों में मधुरता और वैवाहिक जीवन में संतुलन की कामना करते हैं। कामदा एकादशी के व्रत के महत्व को भगवान कृष्ण ने युधिष्ठिर को सुनाई गई कथा में भी बताया है। कथा के अनुसार, इस व्रत को करने से व्यक्ति को ब्रह्महत्या जैसे पापों से भी मुक्ति मिल जाती है। संकीर्तन का समापन श्री खाटू श्याम बाबा की आरती करके मंदिर में पुजारी जी ने भक्तों को श्याम बाबा का दिया आशीर्वाद तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने पंक्ति में रखें प्रसाद को किया ग्रहण।

इस अवसर पर अनिल जलोटा, दीपक राजपूत, अजय गुप्ता, सुधीर गुप्ता, मोहित गुप्ता, शिवम गुप्ता, संदीप राजपूत, अभिषेक राजपूत, आयुष गुप्ता, प्रमोद सोनी, मयंक महेश्वरी, नवनीत श्रीवास्तव, रमेश वर्मा, अनुराग गुप्ता, सुमित राठौर,मुकेश राठौर, प्रवीण रस्तोगी सहित समिति के आदि सेवादार उपस्थित रहे।

साइकिल सवार को बाइक ने पीछे से मारी टक्कर, दोनों गम्भीर रूप से घायल

अजान खीरी। नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक साइकिल चालक और एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना रजौरा मोड़ के पास हुई, जब साइकिल चालक सर्वेश कुमार अपनी साइकिल चला रहा था और बाइक चालक राजू अपनी बाइक चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, साइकिल चालक ने अचानक अपनी साइकिल दाहिने हाथ की ओर मोड़ दी, जिससे पीछे से आ रहे बाइक चालक का नियंत्रण बाइक पर नहीं रह सका और बाइक सीधे साइकिल में टकरा गई। इस टक्कर के कारण दोनों वाहन चालकों को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को फोन किया और दोनों घायलों को गोला सीएचसी भेजा गया। हालत गंभीर होने के कारण दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। साइकिल चालक की पहचान सर्वेश कुमार पुत्र माधवराम (20) निवासी रजौरा, थाना हैदराबाद खीरी के रूप में हुई है, जबकि बाइक चालक की पहचान राजू पुत्र अब्दुल कादिर (26) निवासी कोनैठिया थाना गोला के रूप में हुई है।

नेपाल के शैलेश्वरी धाम में पलिया के भक्तों ने किया रुद्राभिषेक

- हर साल की तरह इस बार भी श्रीकुल सेवा समिति ने धाम पर आयोजित किए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। हर साल की तरह इस बार भी भारत नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर से करीब दो सौ किमी दूर पहाड़ों के बीच स्थित नेपाल के शैलेश्वरी धाम में पलिया के भक्तों द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में मौजूद भक्तों ने रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर हवन पूजन के साथ भंडारे व भजन कीर्तन से शैलेश्वरी धाम गूंज उठा। भारत नेपाल के गौरीफंटा बार्डर से जिला डोटी में चंदन गिरि पर्वत पर स्थित शैलेश्वरी धाम जिनका व्याख्यान पुराणों में वर्णित है। मान्यता के अनुसार भगवान शिव और माता पार्वती विवाह के बाद बिहार के लिए पहुंचे थे बताया जाता है कि इस दौरान अचानक भगवान शिव की तलाश में भगवान ब्रम्हा सहित इंद्र आदि देवतागण अचानक वहां आ पहुंचे जिन्हें देख माता पार्वती भगवान शिव को छोड़कर शिला में पर्वतित हो गईं। बताया जाता कि माता के शिला में पर्वतित होते ही भगवान शिव के इशारे पर ब्रम्हा सहित सभी देवतागण माता के चरणों पर गिर के प्रार्थना करने लगे जिस पर माता प्रसन्न हो गई और पिंडी रूप में भक्तों के कल्याण के लिए स्थापित हो गई। तब से यह स्थल शैलेश्वरी धाम के नाम से जाना जाने लगा। नेपाल के भक्त बारह साल में कुंभ का आयोजन करते हैं। बताया जाता है कि त्रेता में भगवान राम वशिष्ठ जी के साथ ब्रह्म हत्या का पातक दूर करने के लिए इस स्थल पहुंचे थे और चैत्र नवरात्रि के देवी के नव रुपो का पूजन और यज्ञ किया था। इस पवित्र स्थल पर पलिया निवासी श्रीकुल उपासक महराज गोविंद माधव पिछले इस सालों से दर्जनों भक्तों के साथ शैलेश्वरी धाम पहुंचे और सात दिनों तक प्रवास कर हवन पूजन भजन और भंडारे का आयोजन आयोजित करते हैं। धार्मिक कार्यक्रम के तीसरे दिन माता शैलेश्वरी का पूजन कर भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया। जानकारी देते हुए महराज श्री ने बताया कि 19 को प्रवास के साथ 25 जुलाई को भंडारे सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का समापन कर पलिया के लिए वापसी करेंगे।

एसपी संकल्प शर्मा ने एक्सीडेंट में घायल युवक को बचाया

धौरहरा ,खीरी। धौरहरा थाना क्षेत्र में हुई 4 लाख रुपये की सड़क लूट पर घटना स्थल की जांच कर लखीमपुर मुख्यालय लौट रहे एसपी संकल्प शर्मा का मानवीय चेहरा उस वक्त सामने आया जब वह पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर एक सड़क दुर्घटना स्थल से गुजरे। इसी बीच रेहुआ और सिसैया के बीच सड़क किनारे भीड़ देख एसपी शर्मा रुके और मौके की जानकारी ली। वहां एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा था, जो एंबुलेंस का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसपी संकल्प शर्मा ने बिना देर किए अपने एस्कॉर्ट वाहन से घायल को सीएचसी खमरिया भिजवाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। घायल की पहचान बबलू कुमार, पुत्र बाबूराम, निवासी चंडीभानपुर, कोतवाली तंबौर, जिला सीतापुर के रूप में हुई है।

सच्चा मित्र गरीबी व अमीरी नहीं देखता: संजीवनी मिश्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। छोटी काशी गोला स्थित साई मैरिज लान में आयोजित सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कथा वाचिका संजीवनी मिश्रा ने कृष्ण और सुदामा के मिलन का प्रसंग सुनाया। इस प्रसंग में कृष्ण ने मित्रता और मानवता का एक महान उदाहरण प्रस्तुत किया, जो गरीबी और अमीरी की सीमाओं से परे है। कथा के दौरान संजीवनी मिश्रा ने बताया कि सुदामा अपनी पत्नी के कहने पर अपने बचपन के मित्र कृष्ण से मिलने द्वारका जाते हैं। जब सुदामा द्वारका पहुंचते हैं और कृष्ण से मिलने के लिए द्वारपालों से अनुमति भेजते हैं, तो कृष्ण सुदामा के आने की खबर सुनकर बिना देर किए नंगे पैर उनसे मिलने के लिए दौड़े चले जाते हैं। इस प्रसंग को सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए और उन्हें सच्ची मित्रता की महत्ता का एहसास हुआ। कार्यक्रम के दौरान कई प्रकार की सजीव झांकियां प्रस्तुत की गईं।

गौरक्षक पर लेखपाल की अभद्रता: ऑडियो वायरल, कार्रवाई की मांग

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय गौ रक्षक सेना के जिला अध्यक्ष अतीक पुरी उर्फ चिंटू पुरी ने हल्का लेखपाल अजय पर अभद्रता का आरोप लगाया है। पुरी का दावा है कि उन्होंने एक मृत सांड़ की सूचना प्रशासन को दी थी, जिसके बाद लेखपाल ने उन्हें फोन पर अपशब्द कहे। पुरी के अनुसार, उन्होंने 19 जुलाई 2025 को सुबह लगभग 05 बजे मृत सांड़ की सूचना नायब तहसीलदार, उपजिलाधिकारी और बीडीओ को दी थी। इसके बाद, लगभग 04:22 बजे हल्का लेखपाल अजय ने उन्हें फोन किया और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पुरी का कहना है कि उन्होंने लेखपाल से शालीनता से बात करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। इस घटना की ऑडियो रिकार्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें लेखपाल की अभद्रता साफ सुनाई दे रही है।

दिनदहाड़े बाइक सवार बीसी संचालक से 4 लाख की लूट, शुरुआती जांच में उभरे सवालिया हालात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे धौरहरा थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब इंडियन बैंक के बीसी संचालक से चार लाख रुपये की दिनदहाड़े लूट की खबर आई। बाइक सवार चार बदमाशों ने महादेव तुलसीराम पुरवा के पास वारदात को अंजाम देते हुए नाहनू पुरवा निवासी बीसी संचालक अमित कुमार शुक्ला से रुपयों से भरा बैग छीन लिया। विरोध करने पर अमित को हाथ में चोटें भी आईं हैं। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। एडिशनल एसपी पवन गौतम और एसपी संकल्प शर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बीसी संचालक के बयान को कोतवाली में दर्ज किया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में कुछ परिस्थितियां संदिग्ध प्रतीत हो रही हैं, जिससे मामला और पेचिदा हो गया है। लूट की घटना के तुरंत बाद क्राइम ब्रांच को जांच में शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही सच्चाई सामने लाकर मामले का खुलासा किया जाएगा। एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

लोगों में भय, पुलिस पर उम्मीदः घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, लेकिन साथ ही पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने लोगों में उम्मीद भी जगाई है कि अपराधी जल्द ही पकड़े जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

लखीमपुर ढखेरवा हाईवे पर ट्रैक्टर दुर्घटना में कांवड़िया घायल, पैर कटकर अलग हुआ

लखीमपुर खीरी। आज सुबह करीब 11 बजे पतरासी चौराहे से आगे लखीमपुर राज्यमार्ग पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। गोला गोकरननाथ से दर्शन कर लौट रहे कांवड़ियों के दो ट्रैक्टर आगे-पीछे चल रहे थे। आगे वाले ट्रैक्टर की ट्रॉली का डाला खुला हुआ था, जिसमें बैठे दो कांवड़िया – सोहन (35 वर्ष), पुत्र रामकुमार तथा नीरज, पुत्र चुन्ना, निवासी ग्राम भेडौरा, थाना सिंगाही, जनपद खीरी – ट्रॉली के किनारे पैर लटकाकर बैठे थे। किसी कारणवश जब आगे चल रहे ट्रैक्टर ने अचानक ब्रेक लगाया, तो पीछे चल रहा ट्रैक्टर उसकी ट्रॉली से टकरा गया। इस टक्कर में ट्रॉली के किनारे बैठे सोहन का दाहिना पैर चपेट में आकर कट गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल परिजनों के साथ जिला अस्पताल खीरी भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल।

बबेरू पहुंचे राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

बबेरू/बांदा। बबेरू कस्बे के बांदा रोड किसान सहकारी समिति में बुलडोजर कार्यवाही को लेकर बड़ी सुर्खियां बटोर रहा है। जहां हर एक दिन जिले से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक के कई संगठनों के पदाधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर मौका मुआयना किया है। और की गई बुलडोजर की कार्यवाही की निंदा किया है। इसी क्रम में आज मंगलवार की दोपहर करीब 3रू00 बजे राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल तिवारी व बांदा जिला अध्यक्ष सूबेदार मेजर दयाशंकर तिवारी ने अपने पदाधिकारी के साथ की गई बुलडोजर कार्यवाही का स्थलीय निरीक्षण किया और बुलडोजर कार्यवाही को लेकर कड़ी निंदा किया है। वही पीड़ित परिवार से मिले हैं और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा है। और मांग किया है किसी अन्य जनपद के अधिकारियों के द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारी सहित इसमें शामिल सभी व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया जाए, पीड़ित परिवार को न्याय आवास उपलब्ध कराया जाए, पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए, पुलिस द्वारा महिलाओं के साथ किए गए दुर्व्यवहार की जांच कराकर कार्रवाई की जाए, परिवार को सुरक्षा प्रदान किया जाए, जिससे पांच सूत्र ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा गया है। वही आल इंडिया फ़ेयर प्राइस शाप डीलर्स फाउंडेशन के पदाधिकारी के द्वारा भी स्थलीय निरीक्षण किया गया है। और कहा है कि हमारे दिव्यांग कोटेदार की पत्नी सुशीला देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद का बिना नोटिस अवैध रूप से बुलडोजर से घर गिराया गया। इसके संबंध में इन्होंने भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। और बुलडोजर की कार्यवाही में जो भी दोषी अधिकारी हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही किए जाने की मांग किया है।

सीएमओ ने संचारी रोग नियंत्रण,दस्तक अभियान की गतिविधियों का किया स्थलीय निरीक्षण

बांदा। संचारी रोगनियंत्रण/दस्तक अभियान-जनपद बांदा के अंतर्गत आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 विजेन्द्र सिंह ने संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में संचालित गतिविधियों का निरीक्षण ग्राम लहुरेटा ब्लाक नरैनी जनपद बादा में किया भ्रमण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय द्वारा लागों से संचारी रोगों प्रसार एवं उनसें बचाव के विषय में जानकारी ली एवं ग्राम में उपस्थित जनमानस कों मच्छर जनित रोगों से बचाव के बारे में जानकारी दी। संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान के अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग तथा आंगनवाडी द्वारा किये जा रहे कार्यो का निरीक्षण किया ग्राम में साफ सफाई पायी गई। ग्राम में आशा नीलू, नत्थी, राम देवी द्वारा घरों में भ्रमण कर लोगों को जागरूक करते हुए मिली, ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया है कि 11 जुलाई से अभी तक 2500 की आबादी को कवर किया जा चुका है। आंगनवाडी श्रीमती गीता द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में कुपोषित बच्चे नही है एवं कार्ययोजना के अनुसार घर-घर भ्रमण कर कुपोषित बच्चों, बुखार, टी0बी0, फाइलेरिया, सर्दी जुखाम के लक्षण वाले व्यक्तियों का चिन्हिकरण किया जा रहा है। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर का निरीक्षण किया सेन्टर पर कम्यूनिटी हेल्थ आफीसर गजाला यासमीन कार्य करती हुई पायी गयी।

बरेली में बीडीए का बड़ा फैसला: अब महज एक रुपये में बनेगा घर

नक्शा पास कराने की झंझट खत्म

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली । घर बनाने का सपना अब और आसान हो गया है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने भवन निर्माण उपविधियां-2025 और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 को लागू कर दिया है। नए नियमों के तहत अब 100 वर्गमीटर तक के आवासीय और 30 वर्गमीटर तक के व्यावसायिक भूखंडों पर बिना नक्शा पास कराए भी घर बनाया जा सकेगा। इसके लिए केवल एक रुपये में ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

बीडीए कार्यालय में मंगलवार को आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए. ने बताया कि अब भवन निर्माण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी होगी। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ बिल्डरों और निवेशकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। अस्पताल, स्कूल और उद्योग जैसे जरूरी सुविधाओं से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए भी त्वरित अनुमोदन प्रणाली लागू की जा रही है ताकि फाइलें महीनों तक लम्बित न रहें। बीडीए की योजनाओं और स्वीकृत लेआउट में बने प्लॉट्स पर अब 500 वर्गमीटर तक के आवासीय और 200 वर्गमीटर तक के व्यावसायिक नक्शे को लाइसेंस प्राप्त आर्किटेक्ट ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे। निर्धारित शुल्क का भुगतान होते ही वह नक्शा नियमों के अनुरूप माना जाएगा और स्वतः स्वीकृत हो जाएगा। बीडीए आमजन, आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों को इन नई व्यवस्थाओं की जानकारी देने के लिए जल्द ही वर्कशॉप और संवाद सत्र आयोजित करेगा। अब नक्शा पास कराने के लिए दफ्तर के चक्कर लगाने का झंझट खत्म होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था को सरल जरूर किया गया है, लेकिन नियमों की अनदेखी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नक्शा अपलोड करते समय यह घोषणा देनी होगी कि निर्माण कार्य मास्टर प्लान और सभी नियमों के अनुसार किया जा रहा है। यदि कोई गलत जानकारी देता है या नियमों को ताक पर रखता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेशव्यापी ज्ञापन सरदार सेना ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को भेजा

बबेरू/बाँदा। उत्तर प्रदेश के अंदर 5000 प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर किए जाने एवं बरेली के शिक्षक डॉ रजनीश गंगवार पर गलत ढंग से एफ आई आर कर मौलिक अधिकारों के हनन किया जाने को लेकर सरदार सेना के प्रदेशव्यापी ज्ञापन के तहत बांदा जिलाध्यक्ष संदीप सिंह पटेल की अगवाई में प्रभारी बांदा मीरा भारती के साथ उप जिलाधिकारी रजत वर्मा के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौपा गया ज्ञापन में स्पष्ट किया गया की शिक्षा पर आघात महापुरुषों का अपमान नहीं बर्दाश्त नहीं करेगी शिक्षा पर योगी सरकार अपनी दूषित मानसिकता बदले और मांग की है कि राष्ट्रनिर्माता लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाली भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह की धारा में एफआईआर दर्ज किया जाए और भाजपा के सांसद कंगना रनौत के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कारवाई किया जाए और तत्काल गिरफ्तार किया जाए इसीक्रम में उत्तर प्रदेश के समस्त सरकारी, अर्ध सरकारी,संविदा कर्मचारी,अधिकारी गणों के लिए आदेश जारी किया जाए कि उनके बच्चों को सरकारी स्कूलों में पठन-पाठन के लिए अनिवार्य निर्देश जारी किया जाए।

समाजवादी पार्टी ने की चीनी मिलों द्वारा गन्ना मूल्य भुगतान और यूरिया की उपलब्धता को लेकर की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकला खीरी। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने 137 पलिया विधानसभा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को उठाया है। पत्र में कहा गया है कि चीनी मिलें गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं कर रही हैं और यूरिया की उपलब्धता भी कम हो गई है, जिससे किसानों को भारी परेशानी हो रही है। चीनी मिलों द्वारा गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। यूरिया की उपलब्धता कम हो गई है, जिससे किसानों को अपनी फसलों की देखभाल करने में परेशानी हो रही है। समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और चीनी मिलों को गन्ना मूल्य का भुगतान करने के लिए निर्देश दें। साथ ही, यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए जाएं। पत्र पर समाजवादी पार्टी के जिला सचिव और अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करें और किसानों की समस्याओं का समाधान करें।

मैनचेस्टर का किला भेदने उतरेंगे भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर के ऐतिहासिक ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर होगा। यह मैदान भारतीय क्रिकेट टीम के लिए हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। पिछले 89 वर्षों में भारत इस मैदान पर एक भी टेस्ट जीत नहीं सका है। इस बार कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम इस मैदान पर पहली जीत दर्ज करने और इतिहास रचने के लिए उतरेगी। ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत का रिकॉर्ड

भारत ने इस मैदान पर पहला टेस्ट 1936 में खेला, जो बेनतीजा रहा। इसके बाद 1946 में भी मैच ड्रॉ रहा। 1952 में इंग्लैंड ने भारत को एक पारी और 207 रनों से करारी मात दी। 1959 में भारत को 171 रनों से हार आखिरी बार 2014 में भारत इस मैदान पर खेला, जहां उसे एक पारी और 54 रनों से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने कुल मिलाकर यहां पर 9 टेस्ट खेले हैं। इसमें 4 हारे और 5 मैच ड्रॉ रहे, लेकिन एक भी मैच अब तक जीता नहीं है। कप्तान मिली। 1971 का टेस्ट ड्रॉ रहा, जबकि 1974 में इंग्लैंड ने 113 रनों से जीत हासिल की। 1982 और 1990 के मुकाबले भी बेनतीजा रहे। का पहला टेस्ट भारत 5 विकेट से हार गया था, लेकिन दूसरे टेस्ट में 336 रनों की शानदार जीत के साथ उसने सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट 22 रनों से हारने के बाद इंग्लैंड ने इस सिरीज में 2-1 की बढ़त ले ली है। पांच टेस्ट की इस सीरीज में भारत को खिताब जीतने के लिए मैनचेस्टर और अंतिम टेस्ट दोनों जीतने होंगे। टीम का मकसद न केवल सीरीज बराबर करना, बल्कि ओल्ड ट्रैफर्ड में 89 साल पुराना जीत का सूखा खत्म करना भी है। क्या गिल की युवा टीम इस बार वह कमाल कर दिखाएगी, जो अब तक नहीं हुआ? प्रशंसकों को इस सवाल का जवाब जल्द मिलेगा।

शुभमन गिल के नेतृत्व में भारत ने बर्मिंघम में टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की थी। 25 साल कप्तान से इस बार भी बड़ी उम्मीद हैं। सीरीज

अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो, पठान ने बुमराह से कहा

एजेंसी

मैनचेस्टर। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया। पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है। उन्होंने कहा, ''जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं। बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, ''जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है। पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं। पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है। पठान ने कहा, ''अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया। बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात विकेट के साथ किया।

संक्षिप्त समाचार

प्रणय पांच मैच प्वाइंट बचाकर अगले दौर में, लक्ष्य सेन बाहर

चांग्झू। भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने पांच मैच प्वाइंट बचाए और एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मंगलवार को यहां जापान के कोकी वतनबे को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई लेकिन लक्ष्य सेन फिर से पहली बाधा पार नहीं कर पाए। विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 18वें नंबर के वतनबे के खिलाफ 8-21, 21-16, 23-21 से जीत हासिल की। लक्ष्य का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें अच्छी शुरुआत के बावजूद चीन के पांचवें वरीय ली शि फेंग से 21-14, 22-24, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणय ने मैच के बाद कहा, ''मेरे करियर के इस पड़ाव पर, हर जीत मायने रखती है। मैं टूर पर वापस आकर खुश हूं। खेल का स्तर वास्तव में काफी बेहतर हो गया है और आपको शुरू से ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अब हर राउंड जीतना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, ''पुरुष एकल में औसत आयु अचानक 22-23 वर्ष हो गई है। बहुत सारे नए चेहरे हैं और आप वास्तव में नहीं जानते कि उनका खेल कैसा है। अब अनुभव बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता है। भारतीय खिलाड़ी की पहले गेम में जापान के खिलाड़ी के सामने एक नहीं चली लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने अच्छी वापसी करके मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरा और निर्णायक गेम काफी रोमांचक रहा। प्रणय आखिरी गेम में 2-11 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने लगातार पांच अंक लेकर अंतर कम कर दिया। फिर भी 15-20 के स्कोर पर जापान के खिलाड़ी के पास पांच मैच प्वाइंट थे। भारतीय खिलाड़ी ने इन सभी मैच प्वाइंट को बचाकर 21-20 की मामूली बढ़त हासिल कर ली और आखिर में यादगार जीत दर्ज की। महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय पहले ही दौर में चीनी ताइपे की लिन हिसयांग ती से 23-21, 11-21, 10-21 से हारकर बाहर हो गईं। ए सूर्या और ए प्रमुथेश तथा रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ियां भी अपने शुरुआती दौर के मैच हार गईं।

मुंबई में बेहद आलीशान घरों की बिक्री पहली छमाही में 20 प्रतिशत बढ़ी : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। मुंबई में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले बेहद आलीशान (अल्ट्रा-लक्जरी) घरों की बिक्री इस साल पहली छमाही (जनवरी-जून) में 20 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 14,751 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। संपत्ति सलाहकार इंडिया सोथबी इंटरनेशनल रियल्टी (आईएसआईआर) और डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट मुंबई के आलीशान आवास बाजार (प्राथमिक और द्वितीयक दोनों) पर आधारित है। आंकड़ों के अनुसार, मूल्य के लिहाज से मुंबई में बेहद आलीशान घरों (10 करोड़ रुपये और उससे अधिक) की बिक्री इस साल के पहले छह महीनों में 20 प्रतिशत बढ़कर 14,751 करोड़ रुपये हो गई। यह आंकड़ा पिछले साल की इसी अवधि में 12,285 करोड़ रुपये था। मात्रा के लिहाज से, इस साल जनवरी-जून में बेहद आलीशान घरों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 692 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 622 इकाई रही थी। आईएसआईआर के कार्यकारी निदेशक सुदर्शन शर्मा ने कहा, ''मुंबई का लक्जरी रियल एस्टेट बाजार एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में रिकॉर्ड बिक्री खासतौर से वर्ली, प्रभादेवी, ताड़देव, मालाबार हिल और बांद्रा पश्चिम जैसे स्थापित बाजारों में लगातार मांग का संकेत देती है। उन्होंने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे और आलीशान घरों की नई आपूर्ति के कारण मांग बढ़ी है। सीआरई मैट्रिक्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि मुंबई के आलीशान आवास बाजार में खरीदारों की दिलचस्पी लगातार बनी हुई है।

अकासा एयर का 2032 तक अपने बेड़े में विमानों की संख्या 226 तक पहुंचाने का लक्ष्य

नयी दिल्ली। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने 2032 तक अपने विमानों के बेड़े की संख्या को 226 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी अंकुर गोयल ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन का इस अवधि के दौरान सालाना 25 से 30 प्रतिशत की क्षमता जोड़ने का इरादा है। आकासा एयर की शुरुआत 2022 में हुई थी। वर्तमान में 30 बोइंग 737 मैक्स विमानों के बेड़े के साथ यह 23 घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानों का परिचालन करती है। राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाता सम्मेलन में गोयल ने कहा कि एयरलाइन कंपनी लागत पर ध्यान दे रही है। अकासा एयर ने 226 बोइंग 737 मैक्स विमानों के ऑर्डर दिए हैं। इनमें से 30 का वर्तमान में कंपनी द्वारा परिचालन किया जा रहा है। गोयल ने कहा कि विमानन कंपनी का लक्ष्य 2032 तक बेड़े में 226 विमान रखना है। उन्होंने कहा कि अगले सात साल में हमारा सालाना क्षमता में 25 से 30 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य है।

बोइंग विमानों के ईंधन स्विच की लॉकिंग प्रणाली में नहीं मिली कोई समस्या: एयर इंडिया

मुंबई। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने बोइंग 787 और 737 विमानों के बेड़े पर ईंधन नियंत्रण स्विच (एफसीएस) की लॉकिंग प्रणाली का 'एहतियाती' निरीक्षण पूरा कर लिया है और उसमें कोई भी समस्या नहीं मिली है। एयर इंडिया के बोइंग 787 विमान के 12 जून को हुए भीषण हादसे की जांच के बाद पेश अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने पिछले हफ्ते कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त होने के पहले विमान के ईंधन स्विच बंद कर दिए गए थे। इसके बाद, नागर विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने एयर इंडिया को 21 जुलाई तक अपने बेड़े में शामिल बोइंग 787 और 737 विमानों में ईंधन स्विच की लॉकिंग प्रणाली का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। एयर इंडिया का बोइंग 787 विमान 12 जून को लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

एरिगैसी और गुजराती होंगे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में मुख्य आकर्षण

चेन्नई। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और अनीश गिरी छह अगस्त से यहां शुरू हो रहे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के मुख्य आकर्षण होंगे। भारत के सबसे प्रतिष्ठित क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में मास्टर्स और चैलेंजर्स श्रेणियों के 20 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता की इनामी राशि एक करोड रुपए है। मास्टर्स श्रेणी में एरिगैसी, गुजराती और गिरी के अलावा जॉर्डन वान फॉरेस्ट, लियांग अवॉन्डर, विंसेंट कीमर, रे रॉबसन, व्लादिमीर फ़ेडोसेव और प्रणव वी शामिल होंगे। एरिगैसी ने कहा, ''अपने शहर में इतने बड़े टूर्नामेंट में खेलना हमेशा खास होता है। इस साल काफी अच्छे खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं और मैं जानता हूं कि प्रत्येक मुकाबले में मुझसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी। चैलेंजर्स श्रेणी में कार्तिकेयन मुरली, लियोन मेंडोंका, वैशाली आर, हरिका द्रोणावल्ली, अभिमन्यु पुराणिक, आर्यन चोपड़ा, अधिबान बस्करन, इनियान पी, दीप्तायन घोष और प्रणेश एम शामिल होंगे।

करुण नायर की घर वापसी, अब कर्नाटक के लिए खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर तीन सीजन बाद कर्नाटक टीम में वापसी करने जा रहे हैं। नायर पिछले दो सीजन से विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला, जिससे वह अपनी मूल राज्य टीम के लिए फिर से खेल सकेंगे। नायर की कर्नाटक वापसी ऐसे समय में हो रही है जब उनके प्रदर्शन का स्तर पहले की तुलना में काफी ऊपर पहुंच चुका है। इस साल की शुरुआत में विदर्भ को तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से चार शतकों की मदद से 863 रन बनाए थे, जिसकी बदौलत उन्हें आठ साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापसी का मौका मिला। इनमें केरल के खिलाफ फाइनल में खेली गई विजयी शतकीय पारी भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि 2021-22 में जब नायर को कर्नाटक टीम से बाहर किया गया था, तब केरल उन्हें अपने साथ लेना चाहता था। नायर ने 50 ओवर के विजय हजारे ट्रॉफी में रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन किया। उन्होंने विदर्भ की कप्तानी करते हुए टीम को उपविजेता बनाया और आठ पारियों में 124.01 के स्ट्राइक रेट से 779 रन बनाए, जिसमें लगातार पांच शतक शामिल है। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने एक नया लिस्ट ए रिकॉर्ड बनाया और बिना आउट हुए सबसे ज्यादा 542 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। इंग्लैंड दौरे पर अब तक उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। इंडिया ए के लिए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ बेकेनहैम में दोहरा शतक जमाने के बावजूद उन्होंने अब तक खेले गए तीन टेस्ट मैचों में 0, 20, 31, 26, 40 और 14 रन बनाए हैं। उनकी हालिया चार पारियां नंबर तीन पर आई हैं। नायर एक ऐसी कर्नाटक टीम में लौट रहे हैं जो प्रतिभाशाली बल्लेबाजों से भरी हुई है। आर स्मरण, केएल श्रीजित और केवी अनीश ने 2024-25 सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन किया। स्मरण ने रणजी सीजन में दस पारियों में 516 रन बनाकर टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए, जबकि श्रीजित ने अपने प्रथम श्रेणी डेब्यू पर शतक जड़ा। मयंक अग्रवाल के कप्तान बने रहने की संभावना है और देवदत्त पड़िक्कल का खेलना तय माना जा रहा है, जिससे टीम चयन में मैनेजमेंट के सामने अच्छी खासी चुनौती आ सकती है। यह स्थिति कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ की भविष्य पर केंद्रित नीति से थोड़ा हटकर हो सकती है, जिसके मिसाल के तौर पर पिछले सीजन के गोतम और मनीष पांडे जैसे सीनियर खिलाड़ियों का टीम से बाहर होते देखा गया। इस बीच तेज गेंदबाज वी कौशिक ने आगामी सीजन के लिए गोवा जाने के लिए कर्नाटक से एनओसी प्राप्त कर लिया है। वह एक देर से उभरने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2019-20 में 27 साल की उम्र में कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर रणजी डेब्यू किया। विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन और एस अरविंद जैसे तेज गेंदबाजों के संन्यास के बाद कौशिक कर्नाटक की तेज गेंदबाजी के अहम सदस्य बन गए थे। उन्होंने 2024-25 रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए सबसे ज्यादा सात मैचों में 18.73 की औसत से 23 विकेट लिए।

दिल्ली सरकार ने ओलंपिक, पैरालंपिक विजेताओं के नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल योजना को मंजूरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसले लिये गये। सूद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के विकास के साथ छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए।

भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे वैश्विक स्थिरता का आधार बनाती है: सुमन बेरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मंगलवार को कहा कि भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे विश्व के लिए स्थिरता का आधार बनाती है जिसे वृद्धि के नए इंजनों और विकास मॉडलों की आवश?यकता है, जिन्हें बढ़ाया और साझा किया जा सके। बेरी ने कहा कि इस दिशा में भारत एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। सुमन बेरी ने एक्स पोस्ट में बताया कि सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सतत विकास लक्ष्यों पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को ऐसे नए विकास मॉडल और वृद्धि के नए इंजनों की आवश्यकता है, जिन्हें बड़े पैमाने पर अपनाया और साझा किया जा सके। उन्होंने कहा कि परिवर्तनशील युग में भारत एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में उभर कर सामने आया है। इसके सामाजिक-आर्थिक संकेतक निरंतर बेहतर हो रहे हैं। साथ ही इसमें समावेशी डिजिटल प्रौद्योगिकी, सैद्धांतिक सुधार और समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। दुनिया महत्वपूर्ण आर्थिक बदलावों और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे में सतत विकास लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कार्य पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष बेरी ने कहा कि अनुमान है कि 2013-14 और 2022-23 के बीच के दशक में 24.8 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकल आए हैं। भारत में विश्व में रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं का सबसे बड़ा समूह मौजूद है। भारत ने विकासशील देशों को रियायती वित्त, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान की है। इसमें सौर ऊर्ज़ा अवसंरचना और डिजिटल शासन उपकरण शामिल हैं। बेरी ने कहा कि दुनिया को स्थिरता के आधार, विकास के नए इंजन और ऐसे विकास मॉडल की जरूरत है, जिन्हें बढ़ाया जा सके।

शांति गोल्ड का आईपीओ 25 जुलाई को खुलेगा, मूल्य दायरा 189-199 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली। स्वर्ण आभूषण विनिर्माता कंपनी शांति गोल्ड इंटरनेशनल ने अपने आगामी 360 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 189 से 199 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि आईपीओ 25 जुलाई को खुलेगा और 29 जुलाई को संपन्न होगा। आईपीओ पूर्णतः 1.81 करोड़ नए शेयर पर आधारित है इसमें ब्रिकी पेशकश (ओएफएस) का काई घटक शामिल नहीं है। इस निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल जयपुर में एक इकाई स्थापित करने, कंपनी की कार्यशील पूंजी की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने, कर्ज भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए किया जाएगा। मुंबई स्थित शांति गोल्ड विभिन्न प्रकार के स्वर्ण आभूषणों के 'डिजाइन' तैयार करने और उत्पादन में विशेषज्ञता रखती है।

बोइंग विमानों के ईंधन स्विच की लॉकिंग प्रणाली में नहीं मिली कोई समस्या: एयर इंडिया

एजेंसी

मुंबई। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने बोइंग 787 और 737 विमानों के बेड़े पर ईंधन नियंत्रण स्विच (एफसीएस) की लॉकिंग प्रणाली का 'एहतियाती' निरीक्षण पूरा कर लिया है और उसमें कोई भी समस्या नहीं मिली है। एयर इंडिया के बोइंग 787 विमान के 12 जून को हुए भीषण हादसे की जांच के बाद पेश अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने पिछले हफ्ते कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त होने के पहले विमान के ईंधन स्विच बंद कर दिए गए थे। इसके बाद, नागर विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने एयर इंडिया को 21 जुलाई तक अपने बेड़े में शामिल बोइंग 787 और 737 विमानों में ईंधन स्विच की लॉकिंग प्रणाली का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। एयर इंडिया का बोइंग 787 विमान 12 जून को लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी जबकि जमीन पर मौजूद 19 लोग भी हादसे में मारे गए थे। टाटा समूह की एयरलाइन ने बयान में कहा, ''ईंधन स्विच की लॉकिंग प्रणाली में निरीक्षण के दौरान कोई भी समस्या नहीं पाई गई। ईंधन नियंत्रण स्विच विमान के इंजन में ईंधन के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। एयर इंडिया ने कहा कि उसकी दोनों एयरलाइंस ने 14 जुलाई को जारी डीजीसीए के निर्देशों का अनुपालन कर लिया है। एयर इंडिया ने कहा कि उसने 12 जुलाई को स्वैच्छिक निरीक्षण शुरू किया था और विमानन नियामक की तरफ से निर्धारित समयसीमा के भीतर उन्हें पूरा कर लिया। बोइंग 787-8 दुर्घटना पर एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट कहती है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के दोनों इंजनों में ईंधन की आपूर्ति एक सेकंड के भीतर बंद कर दी गई थी, जिससे कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी।

रिजर्व बैंक का वित्तीय समावेश सूचकांक बीते वित्त वर्ष में 4.3 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसका वित्तीय समावेश सूचकांक मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष वर्ष में 4.3 प्रतिशत बढ़ा है। यह देश में वित्तीय समावेश यानी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच की स्थिति में सुधार को दर्शाता है। आरबीआई ने सरकार सहित संबंधित पक्षों के परामर्श से समग्र वित्तीय समावेश सूचकांक (एफआई-सूचकांक) तैयार किया है। वार्षिक सूचकांक पहली बार वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अगस्त, 2021 में प्रकाशित किया गया था। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष वर्ष के लिए सूचकांक संकलित किया गया है। मार्च, 2025 के लिए वित्तीय समावेश सूचकांक का मूल्य 67 है, जबकि मार्च, 2024 में यह 64.2 था। इसमें पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता समेत सभी उप-सूचकांकों में वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में वित्तीय समावेश सूचकांक में उपयोग और गुणवत्ता आयाम का नतीजा है। यह वित्तीय समावेश के दायरे में ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को लाने और वित्तीय साक्षरता की दिशा में निरंतर उठाये गये कदमों को दर्शाता है। एफआई-सूचकांक की अवधारणा एक व्यापक सूचकांक के रूप में की गई है। इसमें सरकार और संबंधित क्षेत्रीय नियामकों के परामर्श से बैंक, निवेश, बीमा, डाक और पेंशन क्षेत्र का विवरण शामिल है।

सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी है। वहीं चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये से लेकर 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,810 रुपये से लेकर 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रयागराज वासियों को बाढ़ से जल्द मिल सकती है राहत, कम हो रहा है जल स्तर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। बाढ़ को लेकर प्रयागराज के लिए राहत भरी खबर है। मां गंगा एवं यमुना का जल स्तर कम हुआ है। यह जानकारी मंगलवार सुबह प्रयागराज सूचना विभाग ने दी।

बाढ़ को लेकर मंगलवार की सुबह जारी हुए ताजा ज अपडेट के मुताबिक नैनी क्षेत्र का जलस्तर 70 सेन्टीमीटर नीचे गया है। सुबह 8 बजे तक नैनी में 81.89 मीटर पर जल स्तर है। जबकि प्रयागराज का खतरे का जल स्तर 84. 734 मीटर है। मां गंगा के फाफामऊ घाट पर जल स्तर 82.26 मीटर पर पहुंचा है। फाफामऊ में लगभग 64 सेंटीमीटर पानी नीचे गया है। इसी तरह बक्शी बांध में 81.88 मीटर पर जल स्तर पहुंचा है, जबकि यहां लगभग 60 सेन्टीमीटर जल स्तर नीचे गया है। हालांकि प्रयागराज से वाराणसी की ओर छतनाग घट पर वर्तमान में 81.38 मीटर पर जल स्तर

है। जबकि यहां लगभग 52 सेंटीमीटर पानी नीचे गया है। गौरतलब यह है कि जल स्तर नाप आंकड़ा 79.50 मीटर से शुरू हुआ है। प्रयागराज के सभी बन्धे सुरक्षित है। जिला प्रशासन द्वारा जारी सूचना के मुताबिक सदर तहसील के 10 मोहल्ले है। कछार मऊ एवं सरैया, राजापुर देह माफी, असदुल्लापुर मो.बाद, बेली कछार, बेली उपरहार, बघाड़ा ,जहूरउद्दीन, बघाडा बालन, बखतियारा, मयोराबाद, नकौली, नेवादा है। इसी तरह मेजा तहसील के महेबा, ढेंगुरपुर, नहवाई, चिलबिला, चपरतला, बकसन्डी, सिरोखर, टिकरी, हण्डिया, सिलौंधीकला, झरियारी, इसौटा। इसी क्रम में फलपुर तहसील के ढोकरी उपरहार, सोनौटी, बदरा, भदकार गांव है। करछना तहसील के देहली भगेसर एवं हथसरा गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश किया है। बाढ़ से प्रभावित होने वाले 43 परिवार राहत शिविर में रह रहे हैं। इस तरह कुल 220 लोग हैं। जिनमें बुजुर्ग, महिला, बच्चे शामिल है। जबकि कुछ लोग अन्य स्थान में निवास कर रहे हैं। व्यक्तियो की कुल संख्या220 है। हालांकि अभी तक कहीं कोई फसल नष्ट होने की जानकारी नहीं मिली है। कुल 95 बाढ़ राहत शिविर चिंहित किए गए हैं। जबकि दो राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं। जिसमें शहर के ऐनीबेसेन्ट स्कूल, ऐलनगंज और कैण्ट मैरेज हॉल सदर बाजार न्यू कैण्ट है।

बलिया में खतरा बिंदु से ऊपर बह रही गंगा की लहरों में कई घर समाए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। बलिया में गंगा का जलस्तर खतरा बिंदु को पार कर जाने से तटवर्ती गावों में कटान तेज हो गई है। बैरिया तहसील के नौरंगा भुवाल छपरा में एक ओर गंगा की लहरों में घर के घर समा जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर ग्रामीण दहशत के मारे अपने आशियाने समेट रहे हैं। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार बलिया में गायघाट के पास गंगा का जलस्तर खतरा बिंदु 57.615 मीटर को पार कर सोमवार शाम को 59.91 मीटर पर पहुंच गया है। हालांकि, मंगलवार को सुबह गेज नापा गया तो गंगा के जलस्तर में मामूली घटाव देखने को मिला। बावजूद इसके गंगा में उफान से बैरिया तहसील के दुबेछपरा, केहरपुर में बाढ़ के हालात बिगड़ गए हैं। मंगलवार को नौरंगा और भुवाल छपरा में कई घर गंगा की लहरों में समा गए। नौरंगा के पूर्व प्रधान राजमंगल ठाकुर ने बताया कि गंगा के विकराल रूप धारण कर लेने से ग्रामीण दहशत में हैं। कई लोगों ने खुद ही अपने घर उजाड़ कर सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। उधर, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने जिला प्रशासन को एलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने के निर्देश पर पहले ही एसडीएम बैरिया ने कंट्रोल

रूम स्थापित कर 24 घंटे कर्मचारियों की दो शिफ्टों में ड्यूटी लगा दी है।

वरुणा नदी किनारे बसे 10 मोहल्ले हुए जलमग्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। जिले में गंगा नदी की सहायक वरुणा नदी के किनारे बसे नक्खी घाट, सलारपुर, हुकुलगंज, दनियालपुर, ढ़ेलवारिया, कोनिया, सरैया, नई बाजार सहित 10 मोहल्ले पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। जिला प्रशासन ने मंगलवार को इन मोहल्लों में बाढ़ राहत कार्य शुरू कर दिया है। वहीं यहां रहने वाले 400 से ज्यादा परिवारों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। जिलाधिकारी सतेन्द्र कुमार के निर्देश पर वरुणा नदी के किनारे बसे मोहल्ले में बचाव राहत कार्य के लिए चार टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। नदी के पास निचले मोहल्ले

दनियालपुर, ढेलवारिया, कोनिया, नक्खीघाट, सलारपुर, सरैया की गलियों तक पानी पहुंच जाने के कारण परिवारों को तत्काल ही राहत शिविरों तक पहुंचा दिया गया है। अभी तक 400 के करीब परिवारों को राहत शिविर में पहुंचा दिए गए हैं। वहीं नक्खी घाट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में नाविक मनोज साहनी ने बताया कि जिला प्रशासन की अनुमति मिलने के बाद ही हम लोग मोहल्ले में रह रहे लोगों को नाव पर बैठा कर किनारे तक पहुंचा रहे हैं। तीन किलोमीटर क्षेत्रफल में नाव चल रही हैं। लगातार सुबह सात से सूरज ढलने तक राहत एवं बचाव कार्य में हम लोग ड्यूटी रहती है। इसके लिए कोई धन न लेकर सेवा कार्य कर रहे हैं।

बागपत में लगा कांवड़ियों का जमावड़ा, दो किमी की लंबी लाइन

बागपत। बागपत जिले में सुप्रसिद्ध पुरामहादेव मंदिर पर भगवान आशुतोष परशुरामेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने के लिए मंगलवार रात को कांवड़ियों का जमावड़ा लगने लगा है। प्रशासन ने कड़ी तैयारी की है मंगलवार को कांवड़ियों की लाइन 2 किलोमीटर लंबी हो गई। बुधवार को लाखों कांवड़िया जलाभिषेक करेंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन माह की शिवरात्रि कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जा रही है। सावन शिवरात्रि तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर शुरू होगी।

इस्कॉन मंदिर में चिकन खाने वाले पर ब्रज के संतों महंतों ने कठोर कार्रवाई की मांग की

मथुरा। लंदन स्थित इस्कॉन मंदिर में एक व्यक्ति के द्वारा चिकन खाया गया। इस पर मंगलवार को वृंदावन के साधु संतों ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कड़ी निंदा की है।

मंगलवार दोपहर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस के मुख्य याचिका कर्ता दिनेश फलाहारी ने कहा है कि मंदिर में चिकन खाना चिंता का विषय है। ऐसे लोगों पर वहां की सरकार को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं राजेश पांडे ने कहा कि इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण और बलराम जी की मूर्तियां हैं। मंदिर में चिकन खाना दुर्भाग्यपूर्ण है। महंत मोहनी शरण महाराज जी ने कहा कि इस्कॉन एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है। संपूर्ण विश्व में सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करती है। किसी सनातन धर्म के विरोधी ने यह कार्य किया है। इस निंदनीय कृत्य का हम विरोध करते हैं। डॉक्टर सत्यानंद महाराज जी ने कहा कि यदि इस्कॉन मंदिर वालों ने उस व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं की तो हम इस्कॉन के खिलाफ अपील करेंगे। महंत रामदास महाराज ने कहा कि इस्कॉन मंदिर में किसी भी यात्री का प्रवेश हो तो उसकी सघन जांच होनी चाहिए। तब ही मंदिरों की पवित्रता बचेगी।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

संभल में दिखी गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल, मुस्लिम समाज के लोगों ने कांवड़ियों पर की पुष्पवर्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में गंगा जमुनी तहजीब की एक मिसाल और दिखाई दी। मुस्लिम समाज के लोगों ने कावड़ियों पर पुष्प वर्षा करने के साथ ही भोले के भजनों पर झूमते हुए भी दिखाई दिए। जनपद संभल में आज एकता और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए मुस्लिम समाज के लोगों ने हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करने के साथ ही उन्हें फल वितरित किए और उनके साथ भोले के भजनों पर झूमते हुए भी दिखाई दिए। देश भर के शिवालियों में काफी संख्या में जलाभिषेक किया जाएगा। संभल जनपद के अनेकों कांवड़ बेड़े व शिवभक्त गोमुख, गंगोत्री, हरिद्वार, ब्रजघाट आदि पवित्र नदियों से गंगाजल व कांवड़ लेकर आज शाम तक पहुंचेंगे और बुधवार को विभिन्न प्राचीन सिद्धपीठ मंदिरों व अन्य मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक कर संकल्प पूरा करेंगे। आज जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र में ऐसा दृश्य देखने को मिला जिससे एकता और भाईचारे का संदेश

दिया। मुस्लिम समाज की महिलाओं और पुरुषों ने कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों के जत्थे पर पुष्प वर्षा कर उन्हें फल वितरित किए। ऐसा दृश्य कहीं न कहीं उन लोगों के लिए एक ऐसा जवाब है जो हिंदू मुस्लिम एकता पर सवाल उठाते हैं।

संसद के मानसून सत्र में पृथक बुंदेलखंड राज्य का मुद्दा उठाएं इलाके के लोकसभा सदस्य: पाण्डेय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। संसद का मानसून सत्र शुरू होते ही पृथक बुंदेलखंड राज्य का मुद्दा फिर गरमाने लगा है। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति ने क्षेत्र के सभी सांसदों का आह्वान किया कि वे मानसून सत्र में एकजुट होकर पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर उन्हें पिछड़े बुंदेलखंड के नागरिकों की भावना से अवगत कराएं। समिति ने चेताया कि यदि सांसद इस अवसर पर भी चुप रहे, तो वे एक ऐतिहासिक मौका खो देंगे। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय बुंदेलखंडी ने बताया कि वह अब तक प्रधानमंत्री को 42 बार अपने खून से पत्र लिखकर पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष चित्रकूट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पांच दिवसीय बैठक में बुंदेलखंड राज्य का मुद्दा गंभीरता से चर्चा में आया था। संघ के शीर्ष नेतृत्व ने माना था कि क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए बुंदेलखंड को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रशासनिक बंधनों से मुक्त किया जाना जरूरी है। बुंदेलखंडी ने बताया कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के समक्ष मुखर होकर बुंदेलखंड राज्य की मांग उठाई थी। उन्होंने कहा किअब बारी बुंदेलखंड के सांसदों की है। वे संसद में इस विषय को सामूहिक रूप से उठाएं और मातृभूमि के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाएं। उन्हें चाहिए कि वे संयुक्त प्रतिनिधिमंडल बनाकर प्रधानमंत्री से मिलें और बुंदेलखंड की सामाजिक-आर्थिक दुर्दशा की सच्चाई उन्हें बताएं।

त्रयोदशी जलाभिषेक के लिए गाजियाबाद पहुंचे लाखों कावड़ियें, बम-बम भोले के उद्घोष से गूंजा महानगर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद। सावन की शिवरात्रि पर जलाभिषेक का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हरिद्वार, ब्रजघाट आदि स्थानों से कांवड़ लाने का सिलसिला लगातार चल रहा है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में अभी तक लाखों की संख्या में कांवड़ियां एकत्र हो गए हैं, जो सावन की शिवरात्रि का जलाभिषेक के लिए तैयारी कर रहे हैं। हालांकि मंगलवार की सुबह 7:06 बजे से शहर के शिवालयों में त्रयोदशी का जलाभिषेक शुरू हो हो गया। त्रयोदशी तिथि बुधवार तड़के 4:40 बजे तक रहेगी। इसके बाद शिवरात्रि चतुर्दशी का जलाभिषेक बुधवार तड़के 4:41 बजे से रात 2:30 मिनट तक चढ़ाया जाएगा। सीसीटीवी से कांवड़ियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। आगमन और निकास स्थल के पास बैरिकेडिंग की गई है। इस दौरान भगवान शिव बम-बम भोले, बोल बम के उद्घोष से शहर का वातावरण पूरी तरह से गूंज रहा है। रात दिन डीजे पर भगवान शिव के गीतों पर श्रद्धालु झूम रहे हैं। कांवड़ियों में बच्चों और बुजुर्गों के साथ महिलाएं भी शामिल हैं। शहर में कांवड़ सेवा शिविरों के अलावा स्थानीय लोग भी सेवा कार्य कर रहा है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। गाजियाबाद के मेरठ रोड, जीटी रोड, शम्भूदयाल इंटर व डिग्री कॉलेज समेत अनेक शिविरों में कांवड़ियें विश्राम कर रहे है। 23 जुलाई की तड़के 4 बजे से भगवान शिव का जलाभिषेक शुरू हो जाएगा। दूधेश्वरनाथ मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गर्ग ने बताया कि मंदिर में कई राज्यों से जलाभिषेक के लिए आने वाले कांवड़ियों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। शिवरात्रि के दिन विशेष प्रबंध होगा, ताकि कांवड़ियों को जलाभिषेक के दौरान परेशानी न हो। त्रयोदशी से मंदिर के कपाट 24 घंटे खुले रहेंगे। उन्होंने सभी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं।

वाराणसी प्रयागराज राजमार्ग कांवड़ियों से गुलजार, हर–हर महादेव, बोल बम की गूंज

- सेवा शिविरों में प्रयागराज से पैदल आ रहे कांवड़ियों के पैरों के छाले और घाव का सामाजिक कार्यकर्ता कर रहे उपचार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। प्रयागराज वाराणसी राजमार्ग इन दिनों कांवड़ियों से गुलजार है। प्रयागराज संगम तट से जल लेकर लगभग 125 किमी की दूरी नंगे पांव पैदल चलकर श्री काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक करने के लिए नाचते गाते आ रहे हजारों कांवड़ियों का उत्साह और बाबा के प्रति भक्ति चरम पर है। लम्बी दूरी की थकावट को दूर करने के लिए हर–हर महादेव और बोल बम का गगनभेदी उद्घोष उनमें शिव?भक्ति के साथ नई उर्जा का संचार कर रहा है। लगातार पैदल चलने से कांवड़ियों के पैरों में पड़े छाले का इलाज करने के लिए हाइवे किनारे विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सेवा शिविर लगाए हुए हैं।

शिविर में कार्यकर्ता पूरे उत्साह और सेवा भाव के साथ कावड़ियों के पांव धोकर छाले व घाव पर मरहम पट्टी कर उन्हें चाय नाश्ता भी करा रहे हैं। सेवा शिविरों में डीजे की धुन पर नाचते-गाते और ''हर हर महादेव'' व बोल बम के नारे के साथ पहुंच रहे कांवड़ियों का लोग गर्मजोशी से स्वागत कर रहे हैं। मोहनसराय के समीप मानवाधिकार तथा रश्मि जन कल्याण समिति के शिविर में मंगलवार को आ रहे कांवड़ियों का स्वागत किया गया। शिविर के आयोजक संजय यादव ने अपनी टीम के साथ कावड़ियों को फल, बिस्किट, पानी, चाय आदि पिलाया। इसके बाद समिति के डॉ. राजेश पटेल के साथ मिलकर कार्यकर्ताओं ने कावड़ियों के पांव को गर्म पानी से धुलाई कर पड़े छाले तथा घाव का मरहम पट्टी किया। यहां से शहर के लिए निकले कांवड़ियों को मोहनसराय चौकी इंचार्ज ने पुलिस टीम के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर जाने के लिए मोहनसराय से चांदपुर जाने वाली जीटी रोड पर आरक्षित लेन पर बने कांवड़िया पथ द्वार से रवाना किया। उल्लेखनीय है कि सावन माह में प्रयागराज और काशी विश्वनाथ धाम के बीच कांवड़ियों के लिए विशेष रास्ता बनाया गया है। हाईवे पर अलग लेन के साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।